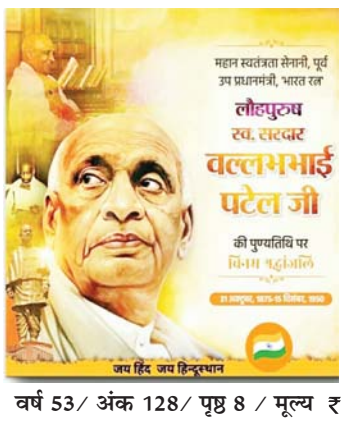

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 128/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 15 दिसंबर 2023 भोपाल से प्रकाशित | dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

दिल्ली से तय होगा मध्यप्रदेश का मुख्य सचिव...!

भोपाल। मध्यप्रदेश का मुख्य सचिव कौन होगा इसका फैसला दिल्ली से होगा। इकबाल सिंह बैंस के रिटायर होने के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चुनाव के दौरान वीरा राणा को कार्यवाहक मुख्य सचिव बनाया था। वीरा राणा का रिटायरमेंट मार्च 2024 में है। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता मार्च-अप्रैल में कभी भी लग सकती है, ऐसे में माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव जल्द ही नए मुख्य सचिव की नियुक्ति करेंगे।

सूत्रों का कहना है कि इस बार मुख्य सचिव का चयन बीजेपी हाईकमान की हरी झंडी के बाद ही हो सकेगा। इनमें एक नाम प्रमुखता से अनुराग जैन का भी चर्चा में आ रहा है, हालांकि मध्यप्रदेश का मुख्य सचिव मध्यप्रदेश का होगा या फिर डेपुटेशन पर केन्द्र में पदस्थ किसी अफसर को मध्यप्रदेश भेजा जाएगा। इसका फैसला दिल्ली से ही होगा।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने स्टाफ के चयन के लिए आज शाम बैठक रखी है। सूत्रों का कहना है कि मुख्य सचिव वीरा राणा और जीएडी कार्मिक प्रमुख सचिव जीव्ही रश्मि के साथ करेंगे बैठक। इस संबंध में मुख्यमंत्री ने जीएडी कार्मिक से आईएएस अफसरों की ग्रेडेशन लिस्ट मांगी है। सूत्रों की माने तो मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव के लिए संदीप यादव, राघवेन्द्र सिंह, शिवशेखर शुक्ला और उमाकांत उमराव का नाम चर्चा में है। इसी तरह मुख्यमंत्री कार्यालय के सचिव, उप-सचिव के नाम भी तय होंगे, मोहन यादव के साथ लंबे समय से ओएसडी के रुप में काम कर रहे पीएन यादव को डिप्टी सेक्रेटरी बनाया जा सकता है।

राजस्थान के नए सीएम बने भजनलाल शर्मा

मोदी, शाह, नड्डा की मौजूदगी में दीया कुमारी और बैरवा ने ली उपमुख्यमंत्री की शपथ

जयपुर। राजस्थान को आज 14वां मुख्यमंत्री मिल गया। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। वहीं दीया कुमारी-डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। शपथ समारोह में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह व नितिन गडकरी मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव, महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे और राजस्थान पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व वसुंधरा राजे भी शामिल हुए।

समारोह स्थल पर तीन मंच तैयार किए गए, एक मंच पर देशभर से आए साधु-संतों को बैठाया गया है, वहीं दूसरे मंच पर सभी पॉलिटिकल लीडर्स बैठेंगे। तीसरा मंच शपथ के लिए बनाया गया है, जिस पर प्रधानमंत्री मोदी, राज्यपाल और शपथ लेने वाले तीनों नेता बैठे थे। गहलोत के साथ केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और वसुंधरा राजे बैठे थे। तीनों हंसी-मजाक करते दिखे। आज नवनियुक्त सीएम भजनलाल शर्मा का जन्मदिन भी है। उनके परिवार ने अपने अस्थायी ठिकाने चंबल पावर हाउस के गेस्ट हाउस में बर्थ डे सेलिब्रेट भी किया। पहले उन्होंने गोविंद देवजी मंदिर में दर्शन किए, इसके बाद उन्होंने अपने माता-पिता के चरण धोकर उनका आशीर्वाद भी लिया। वहीं, मनोनीत डिप्टी ष्टरूप्रेमचंद बैरवा ने आज शपथ लेने से पहले मोती डूंगरी गणेश मंदिर में दर्शन किए और डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने भी गोविंद देवजी मंदिर में दर्शन किए।

राजस्थान के विकास की नई इबारत लिखेंगे भजनलाल - मध्य प्रदेश सीएम

राजस्थान सीएम के शपथ ग्रहण समारोह में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, राजस्थान सरकार का आज गठन होने जा रहा है। नए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजस्थान के विकास की नई इबारत लिखेंगे। विकास से जनता के लिए नए-नए आयाम गढ़े जाएंगे। मैं भजनलाल शर्मा को बधाई देता हूं।

विधानसभा के पहले सत्र में ही आ सकता है अनुपूरक बजट प्रस्ताव

भोपाल। प्रदेश की नई विधानसभा के अध्यक्ष का निर्वाचन 20 दिसंबर को विधानसभा में होगा। बीजेपी इस पद के लिए दिमनी से निर्वाचित विधायक और पूर्व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के नाम का ऐलान कर चुकी है। उन्हें सदन की प्रक्रिया शुरू होने और विधायकों के शपथ लेने के बाद निर्वाचन प्रक्रिया के माध्यम से निर्वाचित घोषित किया जाएगा। 18 दिसंबर से शुरू हो रहे चार दिनी सत्र में एक-दो नए विधेयकों के साथ अनुपूरक बजट भी लाया जा सकता है जिसमें विभागों के कामकाज को लेकर बजट की व्यवस्था तय होगी।

चूंकि बीजेपी से 163 निर्वाचित विधायक हैं। इसलिए तोमर का निर्वाचन बगैर किसी विरोध के होना तय है। इसके साथ ही इसी दिन विधानसभा उपाध्यक्ष के पद पर भी विधायक के निर्वाचन की प्रक्रिया हो सकती है। हालांकि, विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी सूचना में उपाध्यक्ष के निर्वाचन का जिक्र नहीं है। प्रदेश की सोलहवीं विधानसभा का प्रथम सत्र सोमवार 18 दिसंबर शुरू होगा जो 21 दिसंबर तक चलेगा।

राज्यपाल का अभिभाषण भी होगा- चार दिन तक चलने वाले सत्र में नव निर्वाचित विधायकों को प्रोटेम स्पीकर गोपाल भार्गव शपथ दिलाएंगे। विधायकों की शपथ और प्रतिज्ञान का यह कार्यक्रम 18 व 19 दिसंबर दो दिन तक होगा। इसके बाद 20 दिसंबर को विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव और राज्यपाल का अभिभाषण होगा। इस दौरान अनुपूरक बजट भी लाया जा सकता है जिसमें आगामी तीन माह के लिए वित्तीय बजट का इंतजाम किया जाएगा।

मध्यप्रदेश में जल्द हो सकता है कैबिनेट विस्तार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मंत्रिमंडल में किसे जगह मिलेगी, यह दिल्ली से तय होगा। मध्यप्रदेश में विधानसभा सत्र से पहले कैबिनेट विस्तार होने की चर्चा है। संभावित नामों की सूची दिल्ली भेजे जाने की खबरें मिल रही हैं। माना जा रहा है कि जिस तरह से मुख्यमंत्री का चयन किया गया, उसी तर्ज पर केबिनेट गठन में भी चौंकाया जाएगा। इसमें गुजरात माडल अपनाते हुए नये चेहरों को अधिक शामिल किए जाने की चर्चा चल रही है।

सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की कैबिनेट का विस्तार अगले दो दिन में हो सकता है। बताया जा रहा है कि मंत्रिमंडल के संभावित नामों की सूची तैयार है। ये सूची दिल्ली भेजी गई है। दिल्ली से ही अंतिम मुहर लगेगी। मंत्रिमंडल में कई नए चेहरे शामिल हो सकते हैं। कुछ नामों को लेकर पार्टी में मंथन चल रहा है।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह से मिलने कैलाश विजयवर्गीय दिल्ली पहुंचे

मंत्रियों के नामों को लेकर राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के साथ एक दौर की बैठक कर चुके हैं। इस बीच मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण करने के बाद बुधवार रात को डॉ. मोहन यादव ने कैलाश विजयवर्गीय के निवास पहुंचकर मुलाकात की। यहां दोनों नेता करीब एक घंटा साथ रहे। विजयवर्गीय गुरुवार को सुबह दिल्ली चले गए। यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनकी मुलाकात होना है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव को जेड प्लस सुरक्षा

भोपाल। मप्र के नवनियुक्त मुख्यमंत्री मोहन यादव को जेड प्लस सुरक्षा उपलब्ध कराने के आदेश जारी किए गए हैं। अब सीएम जेड प्लस सुरक्षा के घेरे में रहेंगे।

मुख्यमंत्री की सुरक्षा में 36 एनएसजी कमांडो तैनात किए जाएंगे। इनमें 2 एसपी, 2 एएसपी, 4 डीएसपी, विशेष सुरक्षा बल के जवान और राज्य पुलिस के हथियारबंद जवान शामिल होंगे। सीएम का कारकेड अब 14 से 18 गाड़ियों का होगा और सीएम डॉ मोहन यादव बुलेटप्रूफ कार में सवार होंगे।

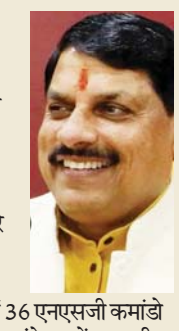

पहली बार मंत्रियों के चयन में संघ की भूमिका

जानकारों का कहना है कि ऐसा पहली बार हो रहा है, जब मंत्रियों के चयन में आरएसएस की भूमिका रहेगी। क्योंकि मध्य प्रदेश सहित तीनों राज्यों में संघ की पृष्ठभूमि से भाजपा में आए नेताओं को मुख्यमंत्री बनाया गया है। इससे पहले भी सत्ता और संगठन के अहम पदों पर नियुक्ति में संघ का रोल रहा है, लेकिन इस बार संघ सरकार की भूमिका में दिख रहा है। मंत्रियों के नाम पर अंतिम मुहर संघ की लगेगी।

महिला जज के यौन शोषण के आरोप पर सीजेआई ने मांगी रिपोर्ट, चिट्ठी लिखकर मांगी थी इच्छामृत्यु

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की एक महिला सिविल जज ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। साथ ही उन्होंने इच्छा मृत्यु की मांग की है। उनकी इच्छामृत्यु वाली चिट्ठी पर सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट से रिपोर्ट तलब की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, देर रात सीजेआई ने सुप्रीम कोर्ट सेकेट्री जनरल अतुल एम कुरहेकर को इलाहाबाद हाईकोर्ट प्रशासन से स्टेटस रिपोर्ट मांगने का आदेश दिया। सेकेट्री जनरल ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को पत्र लिखकर महिला जज द्वारा दी गई सारी शिकायतों की जानकारी मांगी। इसके साथ ही शिकायत से निपटने वाली आंतरिक शिकायत समिति के समक्ष कार्यवाही की स्थिति के बारे में भी पूछा।

महुआ की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई अब जनवरी में

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कैश-फॉर-क्वेरी मामले में लोकसभा से निष्कासन के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस पार्टी की नेता महुआ मोइत्रा की याचिका पर सुनवाई 3 जनवरी 2024 तक के लिए स्थगित कर दी है। जस्टिस संजीव खन्ना की अगुवाई वाली बेंच के सामने मामले को रखा गया। इसके बाद इसे जनवरी तक के लिए टाल दिया गया। मोइत्रा ने बुधवार को अपनी याचिका पर जल्द से जल्द सुनवाई का अनुरोध किया था। इसके बाद भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने आश्वासन दिया था कि शीर्ष अदालत तत्काल सूचीबद्ध करने के अनुरोध पर विचार करेगी।

सोनिया 14 निलंबित सांसदों से मिलीं

संसद में घुसपैठ पर विपक्ष का प्रदर्शन, कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली। संसद की सुरक्षा में चूक वाले मामले के बाद विपक्षी दलों ने लगातार दूसरे दिन लोकसभा और राज्यसभा में हंगामा किया। लोकसभा की कार्यवाही महज 2 मिनट में स्थगित हो गई। स्पीकर ओम बिड़ला जैसे ही कुर्सी पर बैठे, हंगामा शुरू हो गया। विपक्ष के सांसद वेल तक पहुंच गए। विपक्ष ने गृह मंत्री अमित शाह के सदन में बयान देने की मांग की। हंगामे के चलते लोकसभा 11.02 बजे और राज्यसभा 11.09 मिनट पर 2 बजे तक के लिए स्थगित हो गई।

उधर, सदन के बाहर गांधी प्रतिमा के सामने शुक्रवार को निलंबित विपक्ष के 14 सांसदों (13 लोकसभा और 1 राज्यसभा) ने प्रदर्शन किया। इनका कहना था कि दोनों सदनों में विपक्ष की आवाज को दबाया जा रहा है। सोनिया गांधी ने इन सांसदों से मुलाकात की।

जदयू सांसद ललन सिंह ने 14 दिसंबर को कहा था- अगर संसद में घुसने वाले अगर मुसलमान होते तो ये लोग देश-दुनिया में तूफान मचा दिए होते। उसी के नाम ये लोग देश में उन्माद मचा दिए होते। अगर कांग्रेस के सांसद की अनुशंसा पर आए विजिटर्स ने ऐसा किया तो देखते कि इनका रवैया क्या होता।

लोकसभा घुसपैठ केस के मास्टरमाइंड ललित का सरेंडर

संसद में घुसपैठ केस के मास्टरमाइंड ललित मोहन झा ने गुरुवार देर रात दिल्ली पुलिस थाने में सरेंडर कर दिया। पुलिस ने ललित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि वह महेश नाम के एक व्यक्ति के साथ दिल्ली के कर्तव्य पथ पुलिस स्टेशन पहुंचा था। पुलिस ने बताया कि घटना का वीडियो बनाने के बाद ललित ने उसे इंस्टाग्राम पर डाला और कोलकाता के एक एनजीओ को भेजा, ताकि ये मीडिया तक पहुंच सके। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया था। वह अपने सभी साथियों के मोबाइल फोन भी ले गया था, जिसे उसने जला दिया, ताकि सबूत मिटाए जा सकें।

महामारी के रूप में फैलता प्रदूषण

रमेश शर्मा

आज जिस दर से प्रदूषण पूरी दुनिया में है, उससे यह साफ हो चुका है कि पूरे विश्व में प्रदूषण एक महामारी का रूप चुका है। दुनिया भर में से 91 फीसदी आबादी ऐसी जगहों पर रह रही है जहां का एयर क्वालिटी लेवल विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित लेवल से काफी ज्यादा है। वैश्विक स्तर के अनुसार वायु प्रदूषण पूरी दुनिया में विकराल रूप ले चुका है, जिसके चलते कई ले चुका लोग असमय काल के गाल में समा रहे है।

हम सब जानते है कि अब हमारा पर्यावरण वैसा नही रहा है जैसा पहले हुआ करता था। हमारे पूर्वज स्वच्छ वायु और साफ पानी के बारे में बताते रहे है पर वर्तमान समय में हम सभी यह महसूस करते हैं कि वायु की गुणवत्ता में आ रही लगातार गिरावट हमारी सेहत पर लगातार दुषप्रभाव डाल रही है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है कि पूरी दुनिया में श्वसन रोगों से पीड़ित लोगों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

वायु प्रदूषण से बढ़ती मौत चिंताजनक- मानव कुछ समय तो भोजन के बगैर रह सकता है, मगर बिना वायु पल भर भी नहीं रह सकता है। वायु जैसों का सम्मिश्रण है जिसमें नाइट्रोजन, ऑक्सीजन, कार्बन डाई आक्साइड, मीथेन तथा जल वाष्प होते है। हमारे क्रियाकलाप से पिछले कई वर्षों से वायु प्रदूषित होती जा रही। जो पदार्थ वायु को संदूषित करते है उन्हें वायु प्रदूषक कहा जाता है। वायु प्रदूषक के रूप में प्राकृतिक प्रदूषक जैसे ज्वालामुखी, वनों में लगी आग होते हैं, मगर मानवीय क्रिया कलाप जैसे उद्योग, वाहन तथा युद्धाभ्यास प्रमुख संदूषक हो अन्य प्रादूषक जैसे क्लोरोफ्लोरो कार्बन भी है जिससे वायुमंडल की ओजोन परत क्षतिग्रस्त होती ये कार्बन रेफ्रिजरेटर तथा एयर कंडीशनर से उत्सर्जित होते है।

वैश्विक स्तर का खतरा है वायु प्रदूषण- हालिया तौर पर हमने भारत के शहरों हालात देखे हैं, जहां वायु प्रदूषण तय स्तर सीमा से बहुत अधिक चुका है। राजधानी दिल्ली ने तो रिकॉर्ड तोड़ दिया है। एक शोधकर्ता थॉमस मुंलेल ने यह तक कहा है कि दुनिया भर में हो रही मौतों के पीछे वायु प्रदूषण है जो तंबाकू के सेवन से होने वाली मौतों से ज्यादा है। अनुमान है कि दुनिया भर में जीवन प्रत्याशा में आ रही कमी के लिए वायु प्रदूषण सिर्फ जिम्मेदार है। वायु प्रदूषण सबसे ज्यादा बच्चों और बुजुर्गो पर असर डालता है जिसके चलते, फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों, कैंसर इत्यादि की संख्या बढ़ती जा रही है। यहां तक कि वायु प्रदूषण अजन्मे बच्चों पर भी का असर डाल रहा है।

हमारे देश पर वायु प्रदूषण का खतरा बढ़ता जा रहा है। वर्ष 2017 में विश्व में प्रदूषण से हुई मौतों में से 28 फीसदी हिस्सा भारत का रहा है। दुनिया के सर्वाधिक प्रदूषित देशों के 30 शहरों में 20 भारत के शहर हो कुल प्रदू?षित 200 शहरों में से 90 फीसदी शहर चीन और भारत में है। वायु प्रदूषण ने न सिर्फ इंसानों को बल्कि जानवरों, फसलों, जैवविविधता को बुरी तरह से प्रभावित किया है। और लगातार करता आ रहा है।

युद्ध और युद्धाभ्यास खतरनाक हमारी वायु के लिए- मनुष्य की दैनिक गतिविधियों बहुत से खतरनाक रसायनों को उत्सर्जित करती है और सभी तरह के प्रदूषण वायुमंडल के ओजोन परत को नुकसान पहुंचाकर सूर्य की हानिकारक किरणों को धरती पर आने दिया करते हैं। एक तो दुनिया में पहले से ही मनुष्य की पर्यावरण विरोधी गतिविधियां चल रही है तो वहीं विश्व स्तर पर देशों द्वारा किए जा रहे युध्दाभ्यास और युद्ध वायुमंडल की भारी प्रदूषित कर रहे है। एक साल से चल रहे रूस यूक्रेन युद्ध और फिलहाल इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध में भारी वायु प्रदूषित कर दी है। एक शोध के अनुसार इस गति से वायु प्रदूषित होती रही तो 2050 तक पृथ्वी का तापमान 4 से 5 डिग्री तक बढ़ जाएगा। अगर पृथ्वी का तापमान उसे 3 डिग्री भी बढ़ा तो पृथ्वी के हिम ग्लेशियर पिघल जाएगें तब भयंकर बाढ़ से पूरी धरती नष्ट हो सकतीं है। इसके उदाहरण तो महज कुछ सालों से तो देखे ही जा रहे है। वायु प्रदूषण पर नियंत्रण ही प्रजातियों की बचा सकता है। वायु प्रदूषण जानलेवा है और इस पूर नियंत्रण करना जरूरी है।अगर ऐसा नहीं किया

- शेष पेज 6 पर

विकसित भारत संकल्प यात्रा कल से

मध्यप्रदेश में विकसित भारत संकल्प यात्रा के राज्य स्तरीय कार्यक्रम की शुरुआत 16 दिसंबर को उज्जैन के दशहरा मैदान से होगी। यात्रा के लिए केंद्र सरकार 366 वैन मप्र को देगी, जिसमें से 186 आ गई हैं। बैतूल, भोपाल, सागर, सतना, सीहोर, सीधी और सिंगरौली में अभी तक कोई वैन नहीं पहुंची। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इसे लेकर शुक्रवार को जनप्रतिनिधियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि इस यात्रा में समाज के हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करनी है। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज राजस्थान दौरे पर हैं, वे सीएम मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। यात्रा हर पंचायत में जाएगी और शहरों में हर 10 हजार की आबादी पर एक कार्यक्रम होगा। इसकी तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को बैठक और कलेक्टर-कमिश्नर के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। उन्होंने सभी कलेक्टर को यात्रा से संबंधित समितियों के गठन और अन्य तैयारियां पूरी कर लेने के निर्देश दिए। यात्रा का समापन 26 जनवरी 2024 को होगा।

मिठी गोबिंदराम स्कूल की शिक्षिकाएं उत्कृष्टता सम्मान से सम्मानित

संत हिरदाराम नगर। मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल भोपाल की 5 शिक्षिकाओं को मित्तल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स ने शिक्षक उत्कृष्टता सम्मान से सम्मानित किया। शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन बुधवार को मित्तल कॉलेज के सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर राजधानी एवं आसपास के जिलों के लगभग 600 शिक्षक-शिक्षिकाओं को उनके श्रेष्ठ कार्यों हेतु सम्मानित किया गया। शिक्षकों को उनकी अकादमिक योग्यता, अनुभव व शैक्षणिक उत्कृष्टता के आधार पर चयनित किया गया। इस अवसर पर सृष्टि सिंह जाट, सोनी ग्वालानी, विशिका पंजवानी, तपस्या ब्रह्मपुरिया सहित दुर्गा मिश्रा को शॉल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिक्षिकाओं की इस उपलब्धि पर संस्था के अध्यक्ष सिद्ध भाऊ, उपाध्यक्ष हीरो ज्ञानचंदानी, सचिव ए सी साधवानी, सह-सचिव के एल रामनानी, वरिष्ठ सदस्य घनश्याम बूलचंदानी, कोषाध्यक्ष भगवान दामानी, प्रशासनिक अधिकारी भगवान बाबानी, अकादमिक निदेशक गोपाल गिरधानी, विद्यालय प्राचार्य अजय बहादुर सिंह, उपप्राचार्या आशा चंगलानी एवं साथी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। यूवा स्टेशनरी वसुधैव कुटुम्बकम आर्ट वर्कशॉप से पूरे मध्य प्रदेश में क्रिएटिविटी को प्रेरित कर रही है।

शिक्षिका सीमा तारे को 2023 का संत अफजल साहब सम्मान

संत हिरदाराम नगर। मिठी गोबिंदराम स्कूल संत हिरदारामनगर भोपाल की वरिष्ठ संगीत शिक्षिका एवं संगीत विभाग प्रमुख सीमा तारे को संत अफजल साहब सम्मान-2023 से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान निमाड़ी लोकगीत गायन एवं निमाड़ी लोकनृत्य निर्देशन के लिए दिया गया है। स्व. बाबूलाल सेन महेश्वर की स्मृति में अखिल निमाड़ लोक कला परिषद यह सम्मान देती है। सीमा तारे को यह सम्मान खरगोन जिले के ठीकरी में आयोजित एक कार्यक्रम में अखिल निमाड़ लोक परिषद की शालिनी बड़ोले ने प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि अखिल निमाड़ लोक परिषद, मध्य प्रदेश में निमाड़ी लोक कला साहित्य एवं संस्कृति की एकमात्र पंजीकृत संस्था है, जो प्रतिवर्ष कला साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे कलाकारों का निमाड़ी दिवस पर सम्मान करती है। संगीत शिक्षा विभाग की प्रमुख श्रीमति सीमा तारे को इस उपलब्धि पर संस्था के अध्यक्ष श्रद्धेय सिद्ध भाऊ, उपाध्यक्ष हीरो ज्ञानचंदानी, सचिव एसी साधवानी, सह-सचिव केएल रामनानी, वरिष्ठ सदस्य घनश्याम बूलचंदानी, कोषाध्यक्ष भगवान दामानी, प्रशासनिक अधिकारी भगवान बाबानी, अकादमिक प्रमुख गोपाल गिरधानी, विद्यालय प्राचार्य अजय बहादुर सिंह, उप प्रचार्या आशा चंगलानी समेत समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने शुभकामनाएं दी हैं।

कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री मोहन यादव का किया स्वागत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने मध्य प्रदेश के नवनियुक्त मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का मुख्यमंत्री पद का कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत स्वागत किया स्वागत करने वालों में अशोक पांडे श्याम बिहारी सिंह शिव प्रसाद सांगुले भगवान दास बिल्लोरे श्यामलाल विश्वकर्मा लव प्रकाश पाराशर हरि सिंह गुर्जर प्रेमलाल त्रिपाठी राकेश वर्मा आदि शामिल थे।

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच प्रांत अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि कर्मचारियों की प्रमुख मांगे चार प्रतिशत महंगाई भत्ता देने पदोन्नति प्रक्रिया शुरू करने स्थाई कर्मियों को सातवां वेतनमान का लाभ देने आदि मांगों का अति शीघ्र निराकरण किया जाए मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि कर्मचारियों की मांगे को सरकार वित्तीय व्यवस्था कर निराकरण करेगी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अपने उच्च शिक्षा मंत्री के कार्यकाल में कर्मचारियों की मांगों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर सुना था तथा सैकड़ो कर्मचारियों के अनुकंपा नियुक्ति के सैकड़ो प्रकरणों का तत्काल निराकरण कर प्रदेश स्त्ररीय सामूहिक सम्मेलन आयोजित कर दिवंगत कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति के नियुक्ति पत्र प्रदान करे थे कर्मचारी मंच को विश्वास है कि मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव कर्मचारियों की समस्याओं की सुनवाई एक विशेष प्रकोष्ठ बनाकर करेंगे।

तुलसी साहित्य अकादमी ने किया काव्य गोष्ठी का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

तुलसी साहित्य अकादमी मुख्यालय द्वारा काव्यगोष्ठी का आयोजन महाबली नगर, कोलार रोड में किया गया। इस अवसर डाक्टर अशोक तिवारी अमन की कृति इतनी सी बात लघुकथा संग्रह का लोकार्पण किया गया। इस गरिमामय कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ शिक्षाविद् पूर्व संयुक्त संचालक म.प्र.शासन शिक्षा विभाग ने की। मुख्य अतिथि नर्मदापुरम से पधारे वरिष्ठ साहित्यकार पंडित गिरिमोहन गुरु नगरश्री रहे, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार यायावर कवि श्री सुरेश पटवा जी रहे । सुपरिचित व्यंग्यकार एवं श्री गोकुल सोनी ने इतनी-सी बात लघुकथा संग्रह की समीक्षा की। माता सरस्वती की पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। मंचस्थ अतिथियों ने डा.अशोक तिवारी अमन के लघुकथा संग्रह इतनी सी बात का लोकार्पण किया। इसके बाद डा.अशोक तिवारी अमन लोकार्पित कृति की दो लघुकथाओं का पाठ किया। गोकुल सोनी लोकार्पित कृति की समीक्षा की। श्री सोनी ने लघुकथा विधान के मानकों पर प्रकाश डाला। गोकुल सोनी ने कहा कि लघुकथा आज की सर्वाधिक लोकप्रिय विधा है। अच्छी लघुकथाएं लिखने के लिए आवश्यक है कि लघुकथा हेतु निर्धारित मानदंडों का पालन हो और उनमें सकारात्मक और लोक मंगल का भाव निहित हो। उन्होंने इतनी-सी बात की लघुकथाओं को लघुकथा विधान के अनुरूप प्रतिपादित किया। विशेष अतिथ श्री सुरेश पटवा ने कहा कि लघुकथा लिखने के पूर्व लघुकथा लेखन का मार्गदर्शन करने वालीं श्री अशोक भाटिया की पुस्तकें अवश्य पढ़ें, तभी आप सफल लघुकथा लेखक बन सकते हैं। होशंगाबाद से पधारे वरिष्ठ साहित्यकार पंडित गिरिमोहन गुरु ने कहा कि तुलसी साहित्य अकादमी के कार्यक्रम सदैव उत्कृष्ट और गुणवत्तापूर्ण होते हैं। मुझे इस कार्यक्रम में बोलने एवं रचना पाठ का अवसर मिला मेरा सौभाग्य है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के लिए शिविरों का आयोजन सुनिश्चित करें: निगमायुक्त

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारत सरकार द्वारा आयोजित ''विकसित भारत संकल्प यात्रा'' के तहत नगर निगम भोपाल द्वारा सभी 21 जोन क्षेत्रों में शिविरों का आयोजन शनिवार, 16 दिसम्बर 2023 से प्रारंभ किया जा रहा है जिसमें शासन की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं हितग्राहियों से आवेदन आदि प्राप्त करने हेतु योजनावार स्टॉल शिविर स्थल पर लगाए जायेंगे। निगम आयुक्त श्री फ्रैंक नोबल ए ने निगम अधिकारियों की बैठक आहूत कर ''विकसित भारत संकल्प यात्रा'' के तहत सभी जोन क्षेत्रों में नियत तिथि में शिविरों का आयोजन सुनिश्चित करने एवं सभी आवश्यक सुविधाएं व योजनाओं आदि के संबंध में जानकारी हेतु स्टॉल आदि संबंधित विभागों से समन्वय कर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर आयुक्तद्वय सुश्री टीना यादव एवं श्री रणबीर सिंह, उपायुक्त श्री योगेन्द्र सिंह पटेल, सहायक आयुक्त श्री आनन्द कुमार सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

निगम आयुक्त श्री फ्रैंक नोबल ए ने गुरूवार को निगम के अधिकारियों की बैठक आहूत कर ''विकसित भारत संकल्प यात्रा'' के तहत शिविरों के आयोजन के संबंध में भारत सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों के संबंध में जानकारी दी एवं निर्देशित किया कि शिविरों के संबंध में जो भी निर्देश शासन से प्राप्त हुए है उनका अक्षशः पालन शिविरों में व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि शिविरों में विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं व बैंकों के स्टॉलों पर विभिन्न विभागों से समन्वय कर व्यवस्थित ढंग से जानकारी एवं आवेदन फार्म आदि उपलब्ध कराए जाएं। निगम आयुक्त श्री फ्रैंक नोबल ए ने निर्देशित किया कि जोनल अधिकारी व डे-नोडल अधिकारी अपने अधीनस्थ क्षेत्र में आयोजित शिविरों में आगंतुकों के लिए आदर्श बैठक व्यवस्था के साथ ही स्टॉल, पार्किंग आदि की व्यवस्था इस प्रकार सुनिश्चित की जाए कि आने वालों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि शिविर के संबंध में क्षेत्रीय नागरिकों/रहवासियों को व्यापक पैमाने पर जानकारी उपलब्ध कराए और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों को भी सूचित कर कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु आग्रह करें। निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि विभिन्न योजनाओं के नवीन आवेदकों के आवेदन प्राप्त कर प्रत्येक योजना के लिए पृथक-पृथक पंजी संधारित कर आवेदनों का इन्द्राज कराएं। विकसित भारत संकल्प यात्रा'' शिविर के प्रारंभ में स्वागत तद उपरांत माननीय प्रधानमंत्री जी के संदेश का प्रसारण, विकसित भारत संकल्प यात्रा संबंधी वीडियों/फिल्म का प्रदर्शन साथ ही, विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के अनुभवों को साझा कराने हेतु मेरी कहानी मेरी जुबानी व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों व धरती कहे पुकार के स्वच्छता गीत का भी प्रस्तुतिकरण किया जाएगा। शिविरों में लाभार्थियों का सम्मान एवं लाभ वितरण के साथ ही स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी आयोजित किए जायेंगे। शिविरों में मुख्य रूप से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, अमृत योजना, पी.एम.विश्वकर्मा, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टार्ट-अप, खेला इंडिया, आयुष्मान भारत, सौभाग्य योजना, उजाला योजना, आर.सी.एस.उडान, डिजिटल भुगतान योजनाओं के स्टॉल लगाए जायेंगे।

सरदार वल्लभभाई पॉलिटेक्निक में छात्र-परिषद का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

भोपाल । आज राजधानी के सबसे पुराने तकनीकी महाविद्यालय की छात्र परिषद का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। आयोजन में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के छात्र अंश दुबे ने अध्यक्ष, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की छात्रा दीपिका रॉय ने उपाध्यक्ष आर्किटेक्चर की छात्रा यामिनी ने सचिव एवं सतीश कुमार पटेल ने संयुक्त सचिव के रूप में शपथ ग्रहण की।

महाविद्यालय में आयोजित की जाने वाली विविध गतिविधियों के सुचारू एवं सफल क्रियान्वयन के लिए बनाई गई विविध समितियों के सचिव भी घोषित किए गए एवं उन्हें पद की शपथ दिलाई गई।

आयुष शर्मा ने मीडिया सचिव,
ईशान हंबीर ने स्पोर्टस सचिव,
दिया मालवीय ने हॉबी सचिव,
कुणाल जयंत पिंपलगांवकर ने संस्कृति सचिव,
सत्यम मेवाड़ा ने साहित्य सचिव की शपथ ली।

छात्र परिषद के नव नियुक्त अध्यक्ष अंश दुबे ने सभी विद्यार्थियों को आह्वान करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश के कोने-कोने से छोटे-छोटे गांव से विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा के लिए इस महाविद्यालय में आते हैं। प्रारंभ में वह घबराए हुए एवं चिंतित रहते हैं किंतु इस महाविद्यालय का सकारात्मक वातावरण , विद्यार्थियों के लिए सदैव उपलब्ध शिक्षक गण एवं सीनियर छात्रों का सहयोग उन्हें जीवन में आगे बढ़ाने की एक सशक्त दिशा देता है।

संस्था के प्राचार्य डॉ के.वी. राव ने अपने उद्बोधन मे कहा कि, विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों एवं गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागों में प्रयोगशालाओं के उन्नयन का कार्य चल रहा है। सभी विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का समुचित विकास हो इसके लिए छात्र परिषद के माध्यम से कला,साहित्यिक, खेलकूद एवं बौद्धिक गतिविधियां कराई जाएगी।

छात्र परिषद के प्रभारी डॉ अनूप कुमार तुली ने कहा कि छात्र परिषद के माध्यम से सभी विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है और वे प्रगति के पथ पर अग्रसर होते हैं। कार्यक्रम का संचालन फिल्म टेक्नोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अवधेश सिंह ने किया।

युवाओं को एक विश्व एक परिवार से परिचित कराया

भोपाल। नवनीत एजुकेशन के यूवा स्टेशनरी ने हाल ही में मध्य प्रदेश के तीन प्रमुख शहरों - ग्वालियर, भोपाल और इंदौर में आर्ट वर्कशॉप की एक श्रृंखला को आयोजित किया। विल इंडिया चेंज़ फाउंडेशन एनजीओ के सहयोग से आयोजित इन वर्कशॉप की थीम वसुधैव कुटुम्बकम थी, जो युवाओं को एक विश्व एक परिवार से परिचित कराता है।

समर्पित गुरुओं के मार्गदर्शन में, हर शहर में नौ आकर्षक वर्कशॉप हुए और पूरे मध्य प्रदेश में कुल 27 वर्कशॉप आयोजित हुए। हर शहर में लगभग 2,300 छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और पूरे राज्य भर में इसमें शामिल होने वाले छात्रों की संख्या लगभग 7,000 तक पहुँच गई। इन वर्कशॉप का उद्देश्य न केवल कलात्मक कौशल को बढ़ावा देना है, बल्कि एकता, विविधता और इस विचार को स्थापित करना है कि हमारी दुनिया एक बड़ा परिवार है। विल इंडिया चेंज़ फाउंडेशन ने समग्र शिक्षा और सामुदायिक कल्याण के लिए स्टेशनरी की प्रतिबद्धता के साथ इन वर्कशॉप की सफलता और प्रभाव पड़ना सुनिश्चित करने में खास भूमिका निभाई।

यूवा के मुख्य रणनीति अधिकारी अभिजीत सान्याल ने कहा कि ड्ढशह्व1ड्ड का इरादा प्रत्येक छात्र में एक क्रिएटर को उभारना है, वह कहते हैं, इन वर्कशॉप में, छात्रों को कला और शिल्प में नए विचारों और तकनीकों को सीखने का मौका मिलता है।

यूवा के वरिष्ठ ब्रांड मैनेजर अमर कुलकर्णी ने अपने उत्साह को साझा करते हुए कहा, युवा प्रतिभागियों की रचनात्मकता और उत्साह को देखना वास्तव में दिल को चूं लेने वाली बात थी । अगर सही मार्गदर्शन मिले, तो बच्चे वास्तव में अपनी कल्पना को बहुत अलग स्तर पर ले जा सकते हैं । इन वर्कशॉप न केवल कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया, बल्कि बच्चों के बीच एकजुटता की भावना को भी बढ़ावा दिया। जिस तरह ड्ढशह्व1ड्ड गुणवत्तापूर्ण स्टेशनरी उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, उसी तरह इन कार्यशालाओं का उद्देश्य युवा दिमागों को खुद को अभिव्यक्त करने के लिए एक कैनवास प्रदान करना है।

ग्वालियर में वर्कशॉप में भारतीय विद्या निकेतन, रामश्री इंडिया इंटरनेशनल स्कूल, किडीज़ कॉर्नर पब्लिक स्कूल, पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल, द मानवेंद्र ग्लोबल स्कूल, श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल, विद्या भवन स्कूल, ऋषि गालव पब्लिक स्कूल और एबेंजर स्कूल सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों ने भाग लिया। प्रभावशाली कला यात्री, श्रीमती इंदु राव इस रचनात्मक प्रयास में ग्वालियर में गुरु थीं। उन्होंने न केवल सलाम ग्वालियर यंग पर्सन अवार्ड, ग्वालियर, 2012 जीता है, बल्कि 2019 में सिंगापुर आर्ट फेयर में भी अपने काम का प्रदर्शन किया है।

आर्टिस्ट फ़ॉर ग्रीन प्लेनेट थीम पर आयोजित पेंटिंग कॉम्पीटिशन में मिठी गोबिंदराम स्कूल के 3 छात्र पुरुस्कृत

भोपाल। राजधानी के प्रतिष्ठित सीबीएसई स्कूल मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के तीन विद्यार्थियों नक्ष गुलानी (कक्षा 6), प्रियम माखीजानी (कक्षा 8क्च) तथा अक्षांश जैन (कक्षा 6क्च) ने थिंक गैस द्वारा आयोजित ड्रॉइंग एंड पेंटिंग कॉम्पिटिशन में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय परिवार को गौरवान्वित किया है। विजेताओं को गुरुवार को ओरिएण्टल स्कूल में आयोजित एक गरिमामय समारोह में पुरस्कृत किया गया।

उल्लेखनीय है कि थिंक गैस द्वारा आर्टिस्ट फॉर ग्रीन प्लेनेट थीम के तहत राजधानी के लगभग 20 स्कूलों में यह कॉम्पिटिशन आयोजित की गई थी। लगभग 1 माह चली इस प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों को पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों के प्रति जागरूक करना था।

थिंक गैस समय-समय पर पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं युवा कलाकारों की रचनात्मक प्रतिभा को निखारने के लिए इस तरह के आयोजन करती रही है। बच्चों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर संस्था के अध्यक्ष श्रद्धेय सिद्ध भाऊ, उपाध्यक्ष श्री हीरो ज्ञानचंदानी, सचिव श्री ए सी साधवानी, सह-सचिव श्री के एल रामनानी, वरिष्ठ सदस्य श्री घनश्याम बूलचंदानी, कोषाध्यक्ष श्री भगवान दामानी, प्रशासनिक अधिकारी श्री भगवान बाबानी, अकादमिक प्रमुख श्री गोपाल गिरधानी, विद्यालय प्राचार्य श्री अजय बहादुर सिंह, उपप्रचार्या श्रीमति आशा चंगलानी, बच्चों की मेंटॉर सुश्री हुमा खान समेत समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

संकल्प पत्र का क्रियान्वयन मिशन मोड में किया जाए: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लोगों की जिन्दगी बदलना ही हमारी सरकार का लक्ष्य

सुशासन केवल शब्द न रहे, हमें इसे चरितार्थ करके दिखाना है

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को साकार कर जनता की जिन्दगी बदलना ही हमारी सरकार का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जन-सामान्य ने अपना विश्वास व्यक्त किया है, उनके नेतृत्व में विकास की प्रक्रिया जारी है।

विकास और जनकल्याण के लक्ष्य को संकल्प पत्र-2023 के अनुरूप धरातल पर उतारना हमारा उद्देश्य है। सभी विभाग संकल्प पत्र के सभी वादों, संकल्पों और घोषणाओं की पूर्ति का काम मिशन मोड में आरंभ कर समय-सीमा में लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नवगठित सरकार के संकल्प पत्र के बारे में मार्गदर्शन के लिए मंत्रालय में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा सहित समस्त अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, विभागाध्यक्ष और विभिन्न निगम मंडलों के महाप्रबंधक उपस्थित थे।

त्वरित, पारदर्शी, उत्तरदायी और संवेदनशील शासन व्यवस्था प्रत्येक स्तर पर सुनिश्चित की जाए: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सभी गतिविधियों का क्रियान्वयन पूर्ण पारदर्शिता, शुचिता और भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण में किया जाए। सरकार के लिए सुशासन सर्वोपरि है। विकास और जनकल्याण के लक्ष्यों को सुशासन के बल पर ही प्राप्त किया जा सकता है। त्वरित, पारदर्शी, उत्तरदायी और संवेदनशील शासन व्यवस्था प्रत्येक स्तर पर सुनिश्चित की जाए। सुशासन केवल शब्द न रहे, हमें इसे चरितार्थ करके दिखाना है।

दस प्रमुख भाग हैं संकल्प पत्र के: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि संकल्प पत्र के दस प्रमुख भाग हैं। जिनमें सशक्त नारी, समृद्ध किसान, जनजातीय कल्याण, उत्तम शिक्षा एवं सक्ष्म युवा, सबका साथ-सबका विकास, सुदृढ़ आधारभूत संरचना, स्वस्थ प्रदेश, प्रगतिशील अर्थव्यवस्था और औद्योगिक विकास, सुशासन एवं कानून व्यवस्था तथा

सांस्कृतिक धरोहर एवं विकसित पर्यटन शामिल हैं। यह संकल्प पत्र ही सरकार का अगले पांच साल का विजन डाक्यूमेंट है। सभी विभाग, उनसे संबंधित विषयों के क्रियान्वयन में तत्काल कार्रवाई आरंभ करें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जिन संकल्पों का संबंध एक से अधिक विभागों से है, उनके संबंध में दोनों विभाग आपसी तालमेल से काम करें। जिन संकल्पों के क्रियान्वयन के संबंध में किसी प्रकार का वित्तीय भार न हो अथवा वित्तीय संसाधन पूर्व से उपलब्ध हों या किसी प्रकार का नया नीतिगत निर्णय लेने की आवश्यकता न हो, ऐसे प्रकरणों में सक्षम अनुमोदन लेकर तत्काल आदेश जारी किए जाएं। जिन संकल्पों के क्रियान्वयन में पृथक से बजट प्रावधान की आवश्यकता हो, उस संबंध में तत्काल वित्त विभाग से चर्चा कर आवश्यक बजट की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा कठिनाई आने पर मुख्य सचिव से तत्काल समन्वय सुनिश्चित करें। जिन संकल्पों के क्रियान्वयन में नीतिगत निर्णय लेने की आवश्यकता हो या विद्यमान प्रक्रिया में कोई संशोधन किया जाना हो, ऐसे प्रकरणों को शीघ्र-अतिशीघ्र केबिनेट के समक्ष स्वीकृति केलिए लाया जाए।

मुख्य सचिव द्वारा की जाएगी क्रियान्वयन की मॉनीटरिंग: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि संकल्प पत्र-2023 की घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की नियमित मॉनीटरिंग मुख्य सचिव स्तर पर की जाएगी। इसके लिए पृथक पोर्टल भी बनाया जाए और जानकारी के ऑनलाइन फीडिंग, मॉनीटरिंग व रिपोर्टिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस संकल्प पत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रदेशवासियों को दी गई गारंटियां शामिल हैं, सभी विभाग प्रमुख इनके क्रियान्वयन को गंभीरता से लेते हुए रोडमैप तैयार कर समय-सीमा में लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संकल्प पत्र में दिए गए बिन्दुओं के क्रियान्वयन और लक्ष्य समय-सीमा में पूर्ति में यदि कोई समस्या आए तो मुख्यमंत्री स्तर पर तत्काल विषय संज्ञान में लाया जाए।

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने शुक्रवार को मैहर पहुंच कर मां शारदा देवी के दर्शन और पूजा अर्चना की। उन्होंने सपत्नीक मैहर मंदिर में हवन पूजन कर प्रदेश वासियों की सुख समृद्धि की कामना की।इस मौके पर विधायक कांत चतुर्वेदी एवं मैहर और रीवा के स्थानीय जनप्रतिनिधि गण उपस्थित रहे।

एनएच-39 सीधी से सिंगरौली सेक्शन के सड़क निर्माण एवं उन्नयन कार्य शीघ्र पूरे करें: शुक्ल

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मंत्रालय में एनएच-39 के सीधी से सिंगरौली सेक्शन के सड़क निर्माण एवं उन्नयन कार्यों तथा रीवा ज़िले के अंतर्गत सड़क एवं पुल निर्माण कार्यों की वृहद् समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कार्यों में गति लाकर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने एनएच-39 के कार्य के संबंध में निर्देश दिये की गोपद पुल निर्माण का कार्य प्राथमिकता से पूर्ण किया जाकर 2 लेन कनेक्टिविटी का कार्य पूर्ण किया जाये ताकि स्थानीय निवासियों का आवागमन सुविधापूर्ण हो सके। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने वर्तमान 2-लेन बायपास पर बढ़ते दबाव और उससे जनित दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। उप मुख्यमंत्री रीवा बाय पास को 2-लेन से 4-लेन बीओटी मोड में करने हेतु निविदा जारी करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा शहर में स्थित रिंग रोड फेज-1 एवं 2 के फ्लाईओवर के कार्यों की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रक्रियात्मक असुविधा के कारण कार्य की प्रगति प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

बैठक में प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग श्री सुखवीर सिंह, एमडी एमपीआरडीसी श्री अविनाश लवानिया सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने गाथा श्रीराम मंदिर की पोस्टर का विमोचन किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गाथा श्री राम मंदिर की संगीतमय कथा प्रस्तुति के पोस्टर का विंध्य कोठी स्थित निवास पर विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव को कार्यक्रम का आमंत्रण भी दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ यादव को बताया गया कि आगामी 7 जनवरी 2024 को रविंद्र भवन के हंसध्वनि सभागार में गाथा श्री राम मंदिर की प्रस्तुत की जाएगी जिसमें अयोध्या में रामलला के मंदिर के निर्माण के लिए की गई तपस्या और संघर्ष का प्रस्तुत किया जाएगा। प्रस्तुति में हृदय बैंड द्वारा सहयोग दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने करुणा धाम आश्रम भोपाल की ओर से हो रही इस प्रस्तुति के प्रमुख एंकर मोहित शेवानी और गीतकार प्रबुद्ध सौरभ को इस प्रयास के लिए बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने दिए पुलिस बैंड को और ज्यादा प्रभावी बनाने के निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज कलेक्टर-कमिश्नर्स की वीडियो कॉन्फ्रेंस में निर्देश दिये कि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय पर्व में ज्यादा से ज्यादा नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये आावश्यक कदम उठायें। विकसित भारत संकल्प यात्रा का समापन 26 जनवरी को होगा। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को गणतंत्र दिवस समारोह से जोड़ा जाए। उन्होने पुलिस बैंड को भी अधिक प्रभावी और दक्ष बनाने के लिए सभी जिलों में आवश्यक कार्यवाई करने के निर्देश दिए। डॉ. यादव ने कहा कि होम गार्ड को बैंड के प्रशिक्षण के लिए व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए और जिन स्कूलों में दक्ष बैंड हैं उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में हुई कलेक्टर-कमिश्नर वीडियो कॉन्फ्रेंस में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने लाउडस्पीकर एवं अन्य ध्वनि विस्तार यंत्रों के नियम विरूद्ध तेज आवाज में बिना अनुमति के उपयोग को पूर्णत: प्रतिबंधित करने संबंधी आदेश के क्रियान्वयन के संबंध में भी जिला प्रशासन के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री नीरज मंडलोई ने प्रदेश में खुले में बिना अनुमति माँस तथा मछली के विक्रय पर प्रतिबंध से संबंधित प्रावधानों तथा 15 दिसम्बर से चलाए जाने वाले विशेष अभियान के संबंध में दिशा-निर्देश दिए।

वन्यप्राणी बाघ एवं दुर्लभ प्रजाति के कछुओं की अंतर्राज्यीय तस्करी में संलिप्त गिरोह के सदस्य गिरफ्तार

भोपाल। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स भोपाल म.प्र. एवं अधिनस्थ क्षेत्रीय इकाई जबलपुर एवं नर्मदापुरम के द्वारा अलग अलग स्थानों पर कार्यवाही की गई। जिसमें डिन्डोरी एवं अयोध्या उ.प्र. से 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में वन अपराध प्रकरण क्रमांक 237/08 दिनांक 02.06.2023 वन्यप्राणी बाघ का शिकार एवं उसके अवयवों की तस्करी का पर्दाफाश करते हुये टाइगर स्ट्राइक फोर्स जबलपुर के द्वारा 04 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया एवं एक अन्य आरोपी विगत 6 माह से फरार था जिसे डिन्डोरी म.प्र. से गिरफ्तार किया हैं। अन्य प्रकरण क्रमांक 237/11 दिनांक 30.09.2023 दुर्लभ प्रजाति के कछुये (इंडियन टेन्ट टर्टल्स) की ट्रेन से तस्करी वाले प्रकरण में 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। इसी कड़ी में विगत 03 माह से फरार अन्य आरोपी को अयोध्या उ.प्र. से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय नर्मदापुरम के समक्ष पेश किया गया।वन्यप्राणी बाघ के शिकार एवं उसके अवयवों की अंतराज्यीय तस्करी के प्रकरण क्रमांक 237/10 दिनांक 18.08.2023 में संगठित बावरिया गिरोह के 1 अन्य आरोपी को केन्द्रीय जेल चन्द्रपुर महाराष्ट्र से प्रोडक्शन वारंट पर माननीय न्यायालय नर्मदापुरम के समक्ष पेश किये जाने उपरांत रिमांड पर लिया जाकर बाघ के शिकार एवं उससे अवयवों में लिप्त गिरोह के अन्य सदस्यों के संबंध में विस्तृत पूछताछ की गई एवं आरोपी को तमिलनाडु राज्य में बाघ के शिकार वाले स्थान पर ले जाकर आवश्यक कार्यवाही की गई।

महत्वाकांक्षी बरगी व्यपवर्तन परियोजना क्षेत्र में लाएगी समृद्धि: उप मुख्यमंत्री

सतना, रीवा, कटनी एवं जबलपुर में 2 लाख 45 हज़ार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में होगी सिंचाई की सुविधा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने वल्लभ भवन मंत्रालय में बरगी व्यपवर्तन परियोजना एवं रीवा ज़िले में जल संसाधन विभाग की माइक्रो सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा की एवं प्रगति में तेज़ी लाने हेतु निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंचाई परियोजना क्षेत्र में विकास एवं समृद्धि के नये आयामों का सृजन करेंगी। बैठक में अपर मुख्य सचिव एनवीडीए एस. एन. मिश्रा, प्रभारी प्रमुख सचिव जल संसाधन विभाग राघवेंद्र सिंह सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने बरगी परियोजना के कार्य में आ रही कठिनाइयों की जानकारी प्राप्त कर निराकरण करने हेतु आवश्यक निर्देश दिये। तकनीकी असुविधाओं हेतु सतत प्रयास और नियमित निगरानी के निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने गुणवत्तापूर्ण तरीके से कार्य पूर्ण करने के साथ किसी भी प्रकार की समस्या आने पर तुरंत अवगत कराने के निर्देश दिये ताकि उनका शीघ्र निराकरण कर शीघ्र कार्य पूर्ण किया जा सके। आपने विभागीय अधिकारियों से शेष कार्य के संबंध में कार्ययोजना प्राप्त की। परियोजना की गति में तेज़ी लाने के लिए प्रक्रियात्मक जटिलता संबंधी समस्या पर संज्ञान लेते हुए उप मुख्यमंत्री ने उपयुक्त शासकीय सहयोग की व्यवस्था हेतु विभागीय अधिकारियों को प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।

विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रदेश में कल से शुरु होगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन में यात्रा में होंगे शामिल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में 16 दिसम्बर से आरंभ हो रही विकसित भारत संकल्प यात्रा के संबंध में कमिश्नर-कलेक्टर्स को मंत्रालय में हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप जनहित और जनकल्याण के लिए आरंभ की गई यात्रा का क्रियान्वयन मोदी की गारंटी की साख और गरिमा के अनुरूप हो। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार की जनहितैषी योजनाओं, लाभों और सुविधाओं के बारे में जागरूकता सुनिश्चित करने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजना की पहुंच को सुगम बनाने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा आरंभ की जा रही है। प्रमुख योजनाओं का लाभ लक्षित लाभार्थियों, विशेष तौर से वंचित व आकांक्षी लोगों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाना, योजनाओं का प्रचार-प्रसार और जागरूकता, लाभार्थियों के अनुभव साझा करना और संभावित लाभार्थियों का चयन तथा नामांकन सुनिश्चित करना यात्रा का उद्देश्य है। 26 जनवरी 2024 को यात्रा का समापन गणतंत्र दिवस पर होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का सभी जिलों में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए पुख्ता तैयारी की जाएं, कहीं पर भी यात्रा की औपचारिकता न पूरी करें। यात्रा के सभी रूटों पर जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएं। मुख्यमंत्री स्वयं भी दिनांक 15 दिसम्बर को सभी जिलों के जनप्रतिनिधियों से यात्रा के सफल आयोजन के संबंध में वर्चुयुअल संवाद करेंगे। अधिकारी-कर्मचारी व्यक्तिगत रूचि लेकर यात्रा में शामिल हों और यात्रा के उद्देश्य के अनुरूप सभी वंचित और पात्र व्यक्तियों तक यात्रा के लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 16 दिसम्बर को उज्जैन से आरंभ हो रही विकसित भारत संकल्प यात्रा में भाग लेंगे। डॉ. यादव ने कहा कि यात्रा में स्कूली बच्चों, महिलाओं, स्व-सहायता समूहों, वरिष्ठ नागरिकों, युवाशक्ति और किसानों को अधिक से अधिक संख्या में जोड़ा जाएं। विकसित भारत संकल्प यात्रा से फिट इंडिया के संदेश का भी प्रचार-प्रसार सुनिश्चित हों और जनसामान्य को पर्याप्त पोषण तथा एक्सरसाइज की आवश्यकता की जानकारी देते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मोबाइल वैन के जिलों में भ्रमण के लिए रूट चार्ट तैयार करें और जनप्रतिनिधियों, क्षेत्रीय सांसद, स्थानीय विधायक सहित अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यात्रा की तैयारियों के संबंध में डिण्डौरी, जबलपुर और उज्जैन के जिला कलेक्टरों से चर्चा की।

यात्रा में सांस्कृतिक कार्यक्रम और कृषि कार्यों के लिये ड्रोन प्रदर्शन भी होगा: विकसित भारत संकल्प यात्रा जनहितैषी योजनाओं पर केन्द्रित है। यात्रा के लिए ग्रामीण क्षेत्र की 19 तथा शहरी क्षेत्र की 15 योजनाएं चिन्हित हैं, इनमें स्वस्थ भारत मिशन, खाद्य सुरक्षा, गुणवत्ता शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, उचित पोषण, गरीबों के लिए आवास, वित्त पोषण सेवाओं और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित योजनाएं शामिल हैं। योजनाओं की जानकारी और प्रचार-प्रसार के लिए प्रत्येक जिले में ग्राम पंचायत तक मोबाइल वैन पहुँचेगी, जिसमें प्रधानमंत्री श्री मोदी का उद्बोधन, योजनाओं की जानकारी और योजनाओं से संबंधित चलचित्र प्रदर्शित होंगे। यह वैन सभी नगरीय निकायों में भी जाएगी तथा पम्पलेट, बुकलेट आदि वितरित करने के साथ-साथ योजनाओं के लाभ लेने के लिए आवेदन, लाभ वितरण भी सुनिश्चित किया जाएगा। लाभार्थियों की व्यक्तिगत सफलता की कहानियों और उपलब्धियों को साझा करने के लिए मेरी कहानी-मेरी जुबानी जैसे कार्यक्रम होंगे तथा धरती कहे पुकार के, स्वच्छता गीत आदि जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

स्वास्थ्य मेला सहित विभिन्न स्टॉल लगाए जाएंगे: विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत स्वास्थ्य मेला, उज्जवला योजना, किसान/पशुपालक मछुआरों के लिए क्रेडिट कार्ड के आवेदन लेने और बैंकों से समन्वय के स्टॉल होंगे। इसके साथ ही आधार कार्ड में जानकारी अपडेशन, राजस्व विभाग के अंतर्गत नामांतरण और बंटवारा, कृषि, स्व-सहायता समूहों, पेंशन योजनाओं, आदिवासी विकास से संबंधित योजनाओं के स्टॉल भी लगाए जाएंगे।

यात्रा में शामिल जनहितैषी योजनाएं: विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में संचालित योजनाएं सम्मिलित होंगी। ग्रामीण क्षेत्र में क्रियान्वित आयुष्मान भारत, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पीएम आवास योजना, पीएम उज्जवला योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम किसान सम्मान योजना, क्रिसान क्रेडिट कार्ड, पीएम पोषण अभियान, हर घर जल- जल जीवन मिशन, स्वामित्व योजना, जन-धन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, पीएम प्रणाम योजना, नैनो उर्वरक का उपयोग, स्वाइल हैल्थ कार्ड, उन्नत कृषि यंत्र से संबंधित गतिविधियां शामिल होंगी।शहरी क्षेत्रों में पीएम स्वनिधि योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम उज्जवल योजना, पीएम मुद्रा लोन योजना, स्टार्ट-अप इंडिया, स्टेंड-अप इंडिया, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना शहरी, वंदे भारत ट्रेनें और अमृत भारत स्टेशन योजना, स्वच्छ भारत अभियान, उजाला योजना, अमृत योजना, पीएम जन औषधि परियोजना, सौभाग्य योजना, डिजिटल भुगतान अधोसंरचना, आरसीएस योजना और खेलो इंडिया से संबंधित योजनाएं व गतिविधियाँ शामिल होंगी।

स म्पा द की य

मुद्दे की हवा तो निकलनी ही थी

हाल ही में संपन्न पांच राज्यों के चुनाव में से तीन राज्यों में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस ने अन्य मुद्दों के साथ ही जातिगत जनगणना के मुद्दे को आक्रामक ढंग से उठाया, परंतु इसमें कांग्रेस को खास फायदा नहीं मिला। चुनाव परिणाम तो बताते हैं कि यह मुद्दा वोटरों के फैसले को निर्णायक ढंग से प्रभावित नहीं कर सका। इसके बाद से माना जा रहा है कि अब शायद इस मुद्दे को पहले जितनी अहमियत न मिले। लेकिन यह देखना दिलचस्प है कि परोक्ष रूप में ही सही, यह मुद्दा विपक्ष के साथ ही सत्ता पक्ष में भी अपनी अहमियत बनाए हुए है।

कांग्रेस में विशेष तौर पर कर्नाटक के अंदर इस पर उलझन बरकरार है। यही सवाल पिछले दिनों राज्यसभा में बहस के दौरान बीजेपी की ओर से उठाया गया कि कर्नाटक सरकार आखिर कास्ट सर्वे की रिपोर्ट को सार्वजनिक क्यों नहीं कर पा रही। यह कोई छुपी हुई बात नहीं है कि वहां मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार इस मसले पर अलग-अलग राय रखते हैं।

राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने यह कहकर परोक्ष रूप से शिवकुमार पर भी आक्षेप किया कि जब भी ऐसा मुद्दा सामने आता है, तो सवर्ण जातियों के नेता एकजुट हो जाते हैं और सब मिलकर इसका विरोध करते हैं। इसके बाद हालांकि डीके शिवकमुार ने यह स्पष्टीकरण दिया कि वह जातिगत आधार पर सर्वे की रिपोर्ट सार्वजनिक किए जाने का विरोध नहीं कर रहे हैं, परंतु यह अवश्य चाहते हैं कि यह काम व्यवस्थित और वैज्ञानिक तरीके से हो।

दिलचस्प है कि इस स्ष्टीकरण से एक बार फिर इस बात की पुष्टि हुई कि उनका रुख जातिगत सर्वेक्षण की रिपोर्ट को अटकाने वाला ही है। इसके पीछे कारण भी है। वहां राजनीतिक तौर पर सबसे ज्यादा ताकतवर मानी जाने वाली दो प्रमुख जातियां - वोक्कालिगा और लिंगायत समुदाय इसके विरोध में हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी यह कहते रहे हैं कि उनकी पार्टी देशभर में जातिगत जनगणना करवाएगी। ऐसे में इस मसले पर पीछे हटने की ज्यादा गुंजाइश कांग्रेस के सामने नहीं रह गई है। लेकिन देखना होगा कि कर्नाटक में वह इस रिपोर्ट को लटकाए रखने के अलावा भी कोई हल निकाल पाती है या नहीं। अगर वह कर्नाटक के अंतर्विरोध को दूर करने का कोई प्रभावी रास्ता ढूंढ लेती है तो अगले चुनाव में इसे ज्यादा कारगर और विश्वसनीय ढंग से उठा सकती है वरना इसकी चुनावी प्रासंगिकता और कम होती जाएगी।

मध्यप्रदेश जैसे राज्य में जहां ओबीसी यानि पिछड़ा वर्ग पचास प्रतिशत से अधिक है, वहां भी जातिगत जनगणना और ओबीसी आरक्षण का मुद्दा कांग्रेस को बहुत अच्छे परिणाम नहीं दे पाया। जहां तक बीजेपी की बात है तो इस मुद्दे से दूरी बनाए रखते हुए भी वह ओबीसी वोट को साधने की समानांतर कोशिशें जारी रखे हुए है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बीजेपी ने जो मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री बनाए हैं, उसका मकसद लोकसभा चुनाव में जातीय समीकरण को साधना ही है।

लेकिन दूसरी तरफ कांग्रेस ओबीसी का मुद्दा तो उठाती है, लेकिन मध्यप्रदेश जैसे बड़े राज्य में ओबीसी को नेतृत्व देने से कतराती आ रही है। कमलनाथ, दिग्विजय सिंह जैसे बड़े नेता पिछड़ी जातियों की बात करते हैं, परंतु पूरा रिमोट अपने हाथ में ही रखते हैं। पदों की दौड़ में ही अगड़े आगे रहते हैं। कमलनाथ ने तो पूर्व में प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष दोनों ही पद अपने पास रखे हुए थे। इस बार भी वो खुद ही मुख्यमंत्री पद के दावेदार थे, दूसरी तरफ भाजपा ने लगातार बीस साल से केवल ओबीसी को ही सीएम बनाया है।

कांग्रेस के जातिगत सर्वे और ओबीसी की महिलाओं के आरक्षण का मुद्दा फ्लाप होने का एक बड़ा कारण यह भी है। ये कहते कुछ हैं और करते कुछ। पिछला इतिहास देखें तो भी कांग्रेस ने एक बार आदिवासी मुख्यमंत्री का मुद्दा उठाया और अगड़ा मुख्यमंत्री बनाया। एक बार ओबीसी के नाम पर शुक्ल बंधुओं को दौड़ में पछाड़ दिया, लेकिन दिग्विजय सिंह की ताजपोशी कर दी गई। टिकट वितरण के मामले में भी हमेशा से कांग्रेस में ऐसा ही होता आया है। इसलिए कांग्रेस को पहले ओबीसी आरक्षण या जातिगत जनगणना का मामला तब उठाना फायदेमंद साबित होगा, जब वो इन पर खुद अमल करे। नहीं तो भाजपा या अन्य पार्टियां लाभ उठाती रहेंगी और कांग्रेस केवल मुद्दे उठाती रह जाएगी।

मरुधरा का नया लाल क्या करेगा कमाल?

गोपेंद्र नाथ भट्ट

भौगोलिक दृष्टि से देश के सबसे बड़े प्रदेश राजस्थान के राजनीतिक इतिहास में शुक्रवार पन्द्रह दिसम्बर का दिन एक विशेष दिवस के रूप में दर्ज हो जायेगा। शुक्रवार को जयपुर के ऐतिहासिक राम निवास बाग के ऐलबर्ट हाल के सामने सांगानेर से चुने गए विधायक 56 वर्षीय भजन लाल शर्मा प्रदेश के 14 वें मुख्यमंत्री कर रूप में शपथ ग्रहण करेंगे।यह पहला मौक़ा होंगा कि जब राज्य के किसी मुख्यमंत्री को अपने जन्म दिवस पर यह नायाब तोहफ़ा मिलेगा।

क़रीब 33 वर्षों के बाद राजस्थान को एक बार फिर से एक ब्राह्मण मुख्यमंत्री मिल रहा है। इससे पहले प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री हीरालाल शास्त्री से अब तक पाँच ब्राह्मण मुख्यमंत्री जय नारायण व्यास,टीकाराम पालीवाल,हरिदेव जोशी मिल चुके है। गैर राजनेता सी एस वेंकटाचारी भी ब्राह्मण ही थे। भजन लाल शर्मा प्रदेश के छठें ब्राह्मण मुख्यमंत्री होंगे। पूर्वी राजस्थान के भरतपुर अंचल से वे जगन्नाथ पहाड़ियाँ के बाद दूसरे मुख्यमंत्री होंगे।

भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज भैरोंसिंह शेखावत के 1993 से 1998 के कार्यकाल के बाद पिछलें तीस वर्षों से कांग्रेस और भाजपा के क्रमश: अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे बारी-बारी से प्रदेश की सत्ता पर शासन करते रहें और उनके इर्द गिर्द ही राजस्थान की सत्ता घूमती रही, लेकिन इस बार भाजपा को एक बार फिर से पूर्ण बहुमत मिला और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी को चौंकातें हुए पहली बार चुनाव जीत कर विधायक बने भजन लाल शर्मा को मुख्यमंत्री घोषित कराया है ।

यदि हम राजस्थान के मुख्यमंत्रियों की बात करें और पुराने इतिहास पर नजर डालें तो 1949 से प्रदेश में अब तक 13 मुख्यमंत्रियों का कार्यकाल रहा है और इसमें अधिक मुख्यमंत्री मेवाड़ और वागड़ अंचल के रहे है। इसके बाद मारवाड़ और हाड़ौती का नम्बर आता है। मुख्यमंत्रियों में सबसे लंबा कार्यकाल उदयपुर के मोहनलाल सुखाड़िया का रहा है। सुखाड़िया मात्र 38 वर्ष की उम्र में मुख्यमंत्री बन गए थे और करीब 17 वर्षों तक प्रदेश में उनका एक छत्र राज रहा । सबसे कम उम्र में मुख्यमंत्री बनने और सबसे लम्बे समय तक चार बार मुख्यमंत्री रहने के उनके रिकार्ड को आज दिन तक प्रदेश का कोई नेता नही तौड पाया है।

मोहनलाल सुखाड़िया जैन (वैश्य) समाज से थे। वे 13 नवंबर 1954 से 13 मार्च 1967 तक, कुल 12 साल 120 दिन तक निरन्तर राजस्थान मुख्यमंत्री के पद पर रहे और प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लगने के बाद एक बार फिर 26 अप्रैल 1967 को राज्य के मुख्यमंत्री बने तथा इस पद पर 9 जुलाई 1971 तक बने रहे।इस दौरान उनका कार्यकाल 4 साल 74 दिन तक रहा। इस प्रकार मोहनलाल सुखाड़िया 16 साल और 194 दिन तक राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे।

राजस्थान के पहले मुख्यमंत्री (सीएम) हीरालाल शास्त्री ब्राह्मण थे। वे 7 अप्रैल 1949 से 6 जनवरी 1951 तक, कुल 1 साल 274 दिन का तक राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे। इसके बाद परम्परा से हट कर प्रशासनिक अधिकारी सीएस वेंकटचारी 6 जनवरी 1951 से लेकर 26 अप्रैल 1951 तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे और उनका कार्यकाल मात्र 110 दिन तक रहाँ।

इसके बाद फिर से जोधपुर के ब्राह्मण जय नारायण व्यास 26 अप्रैल 1951 को राजस्थान के मुख्यमंत्री बने और इस पद पर 3 मार्च 1952 तक रहे। उनका कार्यकाल एक वर्ष से भी कम सिर्फ़ 312 दिन तक ही रहा।जय नारायण व्यास के बाद राज्य के सीएम बनने वाले टीकाराम पालीवाल भी ब्राह्मण ही थे जो 3 मार्च 1952 से 1 नवंबर 1952 तक मात्र 243 दिन तक राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे।

सबसे लम्बे कार्यकाल तक मुख्यमंत्री रहें मोहनलाल सुखाडिया के मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद जोधपुर के बरकतुल्लाह खान राजस्थान के पहले मुस्लिम मुख्यमंत्री बने तथा उनका कार्यकाल 9 जुलाई 1971 से 11 अक्टूबर 1973 तक, कुल 2 साल 94 दिन तक रहा।

बरकतुल्लाह खान के निधन के बाद दक्षिणी राजस्थान के वागड़ अंचल के बाँसवाड़ा से हरिदेव जोशी 11 अक्टूबर 1973 को राजस्थान के मुख्यमंत्री बने। जोशी भी ब्राह्मण नेता थे और तीन बार प्रदेश के मुख्यमंत्री रहें।अपने प्रथम कार्यकाल वे 3 साल 200 दिनों (29 अप्रैल) 1977 तक सीएम रहे। अपने दूसरे मुख्यमंत्री कार्यकाल में वे 10 मार्च 1985 से 20 जनवरी 1988 तक 2 साल 316 तक और तीसरे कार्यकाल में 4 दिसंबर 1989 से 4 मार्च 1990 तक केवल 90 दिनों तक राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे।

शेखावाटी मूल के पूर्व उप राष्ट्रपति दिवंगत भैरो सिंह शेखावत राजस्थान में पहले गैर कांग्रेसी मुख्यमंत्री थे। 1977 में पूरे देश में जनता पार्टी की अभूतपूर्व विजय के बाद भैरो सिंह शेखावत पहली बार 22 जून 1977 को राजस्थान के मुख्यमंत्री बने, उनका ये कार्यकाल 16 फरवरी 1980 तक यानी 2 साल 239 दिनों तक रहा। शेखावत भी तीन बार प्रदेश के मुख्यमंत्री रहें। शेखावत भारतीय जनता पार्टी की तरफ से 4 मार्च 1990 को दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री बने, वह इस पद पर 15 दिसंबर 1992 तक, कुल 2 साल 286 दिन तक रहे। इसके बाद 10वीं विधानसभा में बीजेपी की जीत पर शेखावत तीसरी बार राजस्थान के मुख्यमंत्री बने। तीसरे टर्म में वो 4 दिसंबर 1993 से 1 दिसंबर 1998 तक कल 4 साल 362 दिन तक मुख्यमंत्री के पद पर रहे।

जगन्नाथ पहाड़िया प्रदेश के पहले दलित मुख्यमंत्री थे। वे वर्ष 1980 में भरतपुर जिले के वैर विधानसभा सीट से चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे और कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री निर्वाचित हुए। पहाड़िया ने 6 जून 1980 से 14 जुलाई 1981 तक, कुल 1 साल 38 दिन का मुख्यमंत्री पद पर रहे।

मेवाड़ अंचल के भीलवाड़ा से शिवचरण माथुर (कायस्थ) भी दो बार प्रदेश के मुख्यमंत्री रहें । पहली बार वे 14 जुलाई 1981 से 23 फरवरी 1985 तक, कुल 3 साल 224 दिन तक राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे और उनका दूसरा कार्यकाल 20 जनवरी 1988 से 4 दिसंबर 1989 तक 1 साल 318 दिन तक रहा।

उदयपुर राजसमन्द के हीरालाल देवपुरा (माहेश्वरी वैश्य) का राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में सबसे छोटा कार्यकाल 23 फरवरी 1985 से 10 मार्च 1985 तक मात्र 15 दिन तक ही रहा।

राजस्थान के राजनीतिक परिदृश्य में सत्ता का बँटवारा 1998 से अब तक पिछलें तीस वर्षों तक दो ओबीसी नेताओं कांग्रेस के अशोक गहलोत (माली) और भाजपा की ओर वसुंधरा राजे सिंधिया (जाट,राजपूत ,गुर्जर से सम्बद्ध) के मध्य बारी-बारी से होता रहा।

भैरोंसिंह शेखावत के सत्ताच्युत होने के बाद सबसे पहले अशोक गहलोत कांग्रेस की ओर से 1 दिसंबर 1998 से 8 दिसंबर 2003 तक, कुल 5 साल 7 दिन तक राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे। उनके बाद राजस्थान की 12वीं विधानसभा का चुनाव जीतने पर पहली बार 8 दिसंबर 2003 को प्रदेश की पहली महिला मुख्यमंत्री बनी और इस पद पर 12 दिसंबर 2008 तक पूरे 5 साल 4 दिनों तक रहीं। उसके बाद फिर से कांग्रेस की विजय पर अशोक गहलोत दूसरी बार 12 दिसंबर 2008 को मुख्यमंत्री बनें तथा अपने दूसरे कार्यकाल में 13 दिसंबर 2013 तक, कुल 5 साल 1 दिन तक सीएम के पद पर रहे। राजस्थान में वर्ष 2013 के विधानसभा चुनाव में पुन: बीजेपी की विजय हुई और वसुंधरा राजे दूसरी बार सीएम बनी। उनका दूसरा कार्यकाल 13 दिसंबर 2013 से 17 दिसंबर 2018 तक कुल 5 साल 4 दिन रहा।

राजस्थान में वर्ष 1993 से कायम हुआ सरकार बदलने का रिवाज 2018 में भी कायम रहा तथा 2018 में कांग्रेस की फिर से जीत पर अशोक गहलोत को तीसरी बार प्रदेश का मुखिया बनाया गया। वे इस पद 17 दिसंबर 2018 से 13 दिसंबर 2023 तक पर कुल 4 साल 361 दिन तक बने रहे। इस प्रकार अशोक गहलोत तीन बार और वसुन्धरा राजे दो बार बारी बारी से मुख्यमंत्री रहे लेकिन इस बार 16 वीं विधान सभा के लिए वर्ष 2023 में हुए चुनाव में अशोक गहलोत की रिवाज बदल कर चौथी बार और वसुन्धरा राजे की तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने की हसरत पूरी नही हो पाई और प्रदेश में पहली बार विधायक बनने वाले भजन लाल शर्मा शुक्रवार 15 दिसम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कई विशिष्ट जनों की उपस्थिति में मुख्यमंत्री की कुर्सी पर आरूढ़ होने जा रहें है।

इस प्रकार राजस्थान की राजनीति में अब एक नए सूरज का उदय हो चुका है और यह देखना दिलचस्प होंगा कि क्षीतिज से इसका प्रकाश कब तक रंग रंगीले और रेतीले राजस्थान की धरा को प्रकाशमान करता रहेगा? उम्मीद है कि प्रदेश के नए मुखिया भजन लाल शर्मा राजस्थान की सात करोड़ जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने की कसौटी पर खरा उतरेंगे। देखना है मरुधरा का यह नया लाल क्या कमाल करेगा ?

क्या इंडिया गठबंधन मज़बूत हो पाएगा ?

-राकेश दुबे

विधानसभा चुनावों के नतीजों से एक बड़ा संकेत निकला है कि कांग्रेस के राज्य-स्तरीय नेतृत्वों ने मनमानी करते हुए गठबंधन के अन्य दलों की उपेक्षा की है । इससे दूसरी पार्टियां काफी नाराज हो गईं और गठबंधन के और मज़बूत होने की राह बाधित हो गयी। कांग्रेस केवल तेलंगाना में जीत हासिल कर सकी और हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में उसे हार का सामना करना पड़ा। ये नतीजे चौंकाने वाले हैं क्योंकि अधिकांश एग्जिट पोल्स ने भविष्यवाणी की थी कि इन राज्यों में कांग्रेस का प्रदर्शन कहीं बेहतर रहेगा। अब कांग्रेस की हार एक पहेली बन गयी है, जिसे कोई सुलझा नहीं पा रहा है।

वास्तव में अगर कांग्रेस का अन्य राष्ट्रीय और छोटे दलों के साथ गठबंधन होता तो उसका प्रदर्शन बेहतर होता। अब लोकसभा चुनाव के लिए अपनी रणनीति बनाते समय कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के सदस्यों को ध्यान देना होगा।कुछ टिप्पणीकारों का तर्क है कि भाजपा की हिन्दू राष्ट्रवादी राजनीति

के प्रति समर्थन मुख्यत: हिन्दी-भाषी राज्यों सीमित है। कांग्रेस और अन्य दलों को इस तथ्य की ओर भी ध्यान देना चाहिए कि उसके तमाम दावों के बावजूद भाजपा की स्थिति बहुत मजबूत नहीं है। यदि हम इन पांच राज्यों में डाले गए कुल वोटों की बात करें तो कांग्रेस को 4.92 करोड़ वोट मिले हैं जबकि बीजेपी को 4.81 करोड वोट ही हासिल हुए हैं।

आज सवाल यह है कि क्या इंडिया गठबंधन में शामिल सभी दल,एक बार फिर गठबंधन के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करेंगे? इन चुनावों के नतीजों से इंडिया गठबंधन को धक्का लगा है। तीन बड़े राज्यों में कांग्रेस की हार से कांग्रेस नेतृत्व चिंतन और उन गलतियों को सुधारने का प्रयास करना चाहिए जिनके चलते गठबंधन के अन्य सदस्य नाराज हैं। विपक्षी दल यह अच्छी तरह जानते हैं कि वे अलग-अलग रहकर भाजपा से मुकाबला नहीं कर सकते। बीआज भाजपा के पास मानव संसाधन और धन प्रचुर मात्रा में हैं और मीडिया भी केन्द्र ने साधा हुआ है।

सब जानते हैं, भाजपा के पीछे आरएसएस के प्रचारकों और स्वयंसेवकों की पूरी टीम है। आरएसएस के सहयोगी संगठन वीएचपी, एबीव्हीपी, बजरंग दल, वनवासी कल्याण आश्रम और उससे जुड़ी अन्य संस्थाएं हर चुनाव में भाजपा को परोक्ष रूप से समर्थन करते हैं। ये सब भाजपा के मददगार हैं।

सब जानते है भाजपा देश को हिन्दू राष्ट्र बनाने की ओर ले जाना चाहती है। वह खुलकर और दबे-छुपे ढंग से भारतीय संविधान के मूल्यों को कमजोर कर रही है, तीन राज्यों में उप मुख्यमंत्री बनाने का निर्णय कुछ ऐसा ही प्रतीत होता है ।

कहने को कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व, विशेषकर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे, मिलकर चुनाव लड़ने के लिए ज़रूरी त्याग करने के लिए अब तैयार दिखते हैं। विधानसभा चुनावों में तो वे राज्य स्तरीय नेतृत्व को सभी पार्टियों के साथ सहयोग करने के लिए राजी नहीं कर पाए, लेकिन लोकसभा चुनाव में उन्हें बड़ी उम्मीद है। राहुल गांधी ने कहा है कि विपक्ष को एक रखने के लिए कांग्रेस कोई भी त्याग करने के लिए तैयार है।

अभी तो विभिन्न विपक्षी दल अलग-अलग दिशा में भाग रहे हैं। संभावना व्यक्त की जा रही है कि लोकसभा चुनाव की औपचारिक घोषणा से पहले ही इंडिया गठबंधन मज़बूत हो जाएगा।

हमास पर पाकिस्तानी रुख

ब्रह्मदीप अलूने

उम्माह का उपयोग इस्लामिक जगत में व्यापक एकता के लिए किया जाता है,इसे अरब राष्ट्रवाद भी कह सकते है जो दुनियाभर में फैले इस्लाम के अनुयायियों को आक्रामक रूप से जोड़ता है। हमास इजराइल संघर्ष शुरू होने के बाद से ही पाकिस्तान में इजराइल विरोधी प्रदर्शन बड़े पैमाने पर हो रहे है। पाकिस्तान में आने वाली फरवरी में चुनाव है और राजनीतिक दलों पर दबाव बढ़ाने के लिए इस्लामाबाद में मजलिस इत्तेहाद ए उम्माह पाकिस्तान संगठन के द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें शिरकत करते हुए हमास चीफ इस्माइल हानिया ने पाकिस्तान को बहादुर देश बताते हुए इजरायल के खिलाफ जंग में हमास की मदद करने की गुहार लगाई है।

कुछ दिनों पहले पाकिस्तान की मजहबी पार्टी जमीयत उलेमा ए इस्लाम पाकिस्तान के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने कतर में हमास के प्रमुख इस्माइल हानिया और पूर्व प्रमुख खालिद मशाल से मुलाकात की थी जिसमें कश्मीर की तुलना फिलिस्तीन से की गई थी। गौरतलब है कि पाकिस्तान ऐतिहासिक तौर पर फ़लस्तीनियों के पक्ष में रहा है तथा उसने अभी तक इसराइल के साथ राजनयिक रिश्ते स्थापित नहीं किए हैं। गज़ा में इजराइल के हमलों के बीच इस्लामाबाद में फ़लस्तीनी राजदूत ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर से मुलाक़ात की थी,जिन्होंने फ़लस्तीनियों के प्रति समर्थन जताया था।

दरअसल हमास के पक्ष में पाकिस्तान की दक्षिणपंथी पार्टियों का रुख बेहद आक्रमक नजर आ रहा है और इन रैलियों में अमेरिकी विरोध भी सुनाई दे रहा है। हालांकि पाकिस्तान की प्रमुख राजनीतिक पार्टियां रुकों और देखों की नीति पर चल रही है। इन राजनीतिक दलों को एहसास है की सत्ता में आने के लिए और बाद में भी उन्हें अमेरिकी समर्थन की जरूरत पड़ेगी। सऊदी अरब पर निर्भरता के चलते भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। सऊदी अरब हमास को पसंद नहीं करता है और इसलिए वह इजराइल को लेकर आक्रामक नहीं है।

इन सबके बीच यह विचार आता है कि भारत के लिए हमास और पाकिस्तान के बढ़ते रिश्ते कितनी मुश्किलें खड़ा कर सकते है। हमास अपनी मदद के लिए पाकिस्तान से मुजाहिदों की फौज चाहता है। यह मुजाहिदों की फौज भारत की सुरक्षा चिंताएं बढ़ाती रही है। लेकिन पाकिस्तान इस दिशा में आगे बढ़ने की जुर्रत करने की स्थिति में बिल्कुल नहीं है। पाकिस्तान का फ़लस्तीनियों के साथ ऐतिहासिक और भावनात्मक नाता है लेकिन उसके रणनीतिक और आर्थिक हित अमेरिका,यूरोपीय संघ और अन्य देशों से जुड़े हुए हैं। पाकिस्तान न सिर्फ़ इन देशों को निर्यात करता है बल्कि इनसे उसे आर्थिक सहायता भी मिलती है। ऐसे में पाकिस्तान आर्थिक संकट के बीच इनमें से किसी को नाराज़ करना नहीं चाहेगा। अमेरिका और यूरोप के कई देश इजराएल के साथ खड़े है,इस स्थिति में पाकिस्तान की सेना भी हमास के साथ जाने का विचार भी नहीं कर सकती। हाल ही में पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से एक बेलआउट पैकेज मिला है,यह 1958 के बाद उसे मिला 23 वां बेलआउट पैकेज है। बेलआउट पैकेज के तहत आईएमएफ़ संबंधित देश की आर्थिक मदद करता है और कुछ शर्तें तय होती हैं कि इस रकम को कहां और कैसे खर्च किया जाता है।

पाकिस्तान के आर्थिक हालात बेहद खराब है। उसे निर्यात से होने वाली आमदनी में 60 फ़ीसदी हिस्सेदारी कपड़ों की है,लेकिन देश की कुल कपड़ा फ़ैक्ट्रियों में से क़रीब एक तिहाई बंद हो गई हैं। बिजली दोगुनी महंगी हो गई,फ़ैक्ट्रियां उत्पादन की लागत बढ़ने का बोझ नहीं उठा पा रहीं और बंद हो रही हैं। आर्थिक संकट और नौकरी के अवसर न होने के कारण हज़ारों पाकिस्तानी देश छोड़ चुके हैं।

पिछले साल मॉनसून के दौरान भयंकर बाढ़ के कारण पाकिस्तान में 1700 लोगों की जान गई थी और बड़े पैमाने पर खेती योग्य ज़मीन तबाह हो गई थी। वर्ल्ड बैंक का अनुमान है कि इससे क़रीब 30 अरब डॉलर का नुक़सान हुआ है। वहीं आईएमएफ़ का अनुमान है कि पाकिस्तान पर चीन का क़रीब 30 अरब डॉलर कर्ज़ है। बेल्ट एंड रोड अभियान के तहत चीन यहां सीपीईसी में 60 अरब डॉलर का निवेश कर रहा है। अब पाकिस्तान भी आश्वस्त नहीं है कि इस निवेश के चलते वह इतनी कमाई कर पाएगा कि चीन का क़र्ज़ चुका पाए। पाकिस्तान को सुरक्षा को लेकर भी संकट का सामना करना पड़ा रहा है। उसे क़ड़ा शरिया क़ानून लागू करने की चाहत रखने वाले इस्लामी चरमपंथियों के लगातार हमले और आत्मघाती धमाके भी झेलने पड़े हैं। पाकिस्तान के आतंकी संगठन संयुक्त मोर्चे बना रहे है और यह पाकिस्तान की सेना के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। बलूचिस्तान प्रांत में सक्रिय बलोच चरमपंथी संगठनों में विलय के लिए वार्ता जारी हैं। बलूचिस्तान में इस समय चरमपंथी संगठनों में बलोच लिबरेशन फ़्रंट,बलोच लिबरेशन आर्मी,बलोच रिपब्लिकन गार्ड, बलोच लिबरेशन टाइगर्स,बलोच नेशनलिस्ट आर्मी और यूनाइटेड बलोच आर्मी नाम के संगठन सक्रिय हैं। ये सभी चरमपन्थी संगठन बलूचिस्तान की आज़ादी चाहते है और यदि सबका विलय हो जाता है तो पाकिस्तानी सेना पर हमलें की तीव्रता और भी बढ़ सकती है। यदि ऐसा होता है तो पाकिस्तान में चीन का निवेश मुश्किल में पड़ जायेगा और इससे चीन और पाकिस्तान के सम्बन्धों में तनाव बढ़ सकता है।

लाखों अफ़ग़ान शरणार्थी अब पाकिस्तान से लौट कर वापस अफगानिस्तान जा रहे है,इससे तालिबान और पाकिस्तान के रिश्तों में भारी तनाव देखा जा रहा है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा पर गहरा तनाव है तथा ख़ैबर पख़्तूनख़्वा के क्षेत्र स्वात,दक्षिणी वज़ीरिस्तान,महमंद,बाजौड़,औरकज़ई,दर्रा आदम ख़ेल और दूसरे क्षेत्रों में कई तालिबान समूह स्वतंत्र रूप से सक्रिय है। यह सारे समूह तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान नाम के एक समूह बनाने और एक व्यवस्था के अंदर काम करने पर सहमत हो चूके है। टीटीपी बनने के बाद पाकिस्तान में कई बड़े आतंकी हमलें होते रहे है।

इन हालातों में पाकिस्तान की दक्षिणपंथी पार्टियां भले ही हमास के पक्ष में आवाज बुलंद करें लेकिन हमास को सामरिक हथियार,सैन्य मदद या मुजाहिदीन की फौज पर पाकिस्तान की सरकार और सेना खामोश ही रहेगी। आने वाली फरवरी में होने वाले आम चुनावों में फिलीस्तीन को सहायता के मुद्दे पर यदि मजहबी पार्टी जमीयत उलेमा ए इस्लाम पाकिस्तान सत्ता में आ जाती है तो यह पाकिस्तान में आतंकी जमातों के लिए संजीवनी की तरह हो सकता है। भारत के लिए भी तब स्थितियां विकट हो सकती है। हालांकि इसकी उम्मीद कम ही है क्योंकि पाकिस्तान में चुनाव वहां की सेना के नेतृत्व में होते है और वह पहले से ही बदहाल देश को आंतरिक संकट में डालने से परहेज करेंगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

मप्र के मुख्यमंत्री डां मोहन यादव द्वारा शपथ ग्रहण करते ही यादव यदुवंशी समाज में दौड़ी खुशी की लहर

औबेदुल्लागंज (संवाददाता) मध्य प्रदेश के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन जी यादव के भोपाल में शपथ ग्रहण करने के पश्चात रायसेन जिले की जनपद पंचायत ओबेदुल्लागंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत टिगरिया सहित प्रदेश की यादव समाज में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्राम टिगरिया के यादव बंधुओ ने ग्राम के शिव मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रसादी वितरण की गई। और भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना की हमारे मुख्यमंत्री महोदय को कुशल मंगल से रखते हुए मध्य प्रदेश के विकास करवाने की कृपा करें , ग्राम पंचायत के पंच गजानंद यादव ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में ग्राम भियापुर , आमछा कला , टिगरिया के निवासियों का भी अच्छा सहयोग रहा । पूजन पाठ कार्यक्रम में ग्राम पंचायत टिगरिया के सरपंच संजय यादव , उप सरपंच पवन नंदवंशी आमछा, पंच गजानंद यादव , नर्मदा प्रसाद यादव टिगरिया , सूरत यादव , कैलाश यादव भिंयांपुर , हरिओम यादव , कुंवर सिंह यादव , सुरेश यादव , रामचंद्र यादव , रामेश्वर यादव , शंकर लाल यादव , रामस्वरूप मंडलोई , महेश यादव , हेमराज नंदवंशी , भंवरलाल नंदवंशी , हरिद्वार नंदवंशी , नाथूराम नंदवंशी , महेश नंदवंशी , यशवंत नंदवंशी , एडवोकेट मनसुख नागर , डॉक्टर विष्णु मंडलोई , मनोज साहू , हरिओम साहू , भैया लाल नागर, छोटेलाल कुमरे , बबलेश मरकाम , मदन चाचा , कैलाश सेन , आदि सहित माताएं बहने भी बड़ी संख्या में सभी सामाजिक बंधु उपस्थित थे।

रेवेन्यू कैम्प में राजस्व समस्याओं का मौके पर हो रहा निराकरण

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी.आर. के निर्देशन में जिले में राजस्व अधिकारियों द्वारा पंचायतों में राजस्व समस्या निवारण कैम्प आयोजित किये जा रहे हैं। जिसमें फौती नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, रास्ता विवाद, पीएम किसान सम्मान निधि सम्बंधित मामलो एवं सीएम हेल्पलाइन का मौके पर निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को बक्सवाहा के ग्राम बाजना में राजस्व शिविर लगाया गया जिसमें 6 फौती नामांतरण, 1 सीमांकन, 2 बीपीएल एवं एक पीएम किसान संबंधी आवेदन का निराकरण किया गया। बिजावर के ग्राम पंचायत राईपुरा, महाराजपुर के ग्राम खिरी सहित चंदला के माधवपुर में भी राजस्व शिविर के माध्यम से राजस्व अधिकारियों द्वारा आमजनों की राजस्व संबंधी समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया।

संगम सेवालय ने मुक्तिधाम में की पौधों की देखभाल

छतरपुर। संगम सेवालय की टीम ट्री एम्बुलेंस के द्वारा आज भैंसासुर मुक्तिधाम में अपने द्वारा रोपे गए पौधों की देखभाल की सबसे पहले पौधों के चारो ओर की खरपतवार की सफाई की गई फिर पेड़ो की अतिरिक्त शाखाओ की छटाई की गई फिर सभी पौधों की गुड़ाई करके उनमें पानी डाला गया टीम के सदस्य देवकीनंदन साहू जी ने बताया कि हमारी टीम के द्वारा इस मुक्तिधाम में 500 पौधे रोपे गए जिनकी निरन्तर देखभाल की जाती है जिससे हमारे सभी पेड़ सुरक्षित है और यहाँ के सभी पौधे अब 6 फुट की ऊंचाई में हो गए है हमारी टीम का मुख्य उद्देश्य शहर को हरा भरा रखना है आज विपिन अवस्थी, , प्रमोद रैकवार, जीतेंद्र शर्मा,गौतम विश्वकर्मा, ऊदल उपस्थित रहे

महाराजपुर के खाद विक्रेता का लायसेंस निरस्त

छतरपुर, । कलेक्टर संदीप जी.आर. द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में उर्वरक केन्द्र के निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर महाराजपुर के खाद विक्रेता का लायसेंस निरस्त किया गया। उप संचालक कृषि डॉ बी.पी. सूत्रकार ने बताया कि गठित उर्वरक निरीक्षण दल द्वारा महाराजपुर स्थित मां किसान सेवा केन्द्र के निरीक्षण में उर्वरक विक्रय भण्डारण हेतु जारी अनुज्ञप्ति एवं स्टाक से संबंधित दस्तावेज मौके पर प्रस्तुत नहीं किये गए। जो उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के प्रावधानों का उल्लंघन है। जिस आधार पर उक्त खाद वितरण केन्द्र का उर्वरक लायसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

विकसित भारत संकल्प यात्राः विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रदेश में 16 से आरंभ होगी - डॉ. यादव

छतरपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में 16 दिसम्बर से आरंभ हो रही विकसित भारत संकल्प यात्रा के संबंध में कमिश्नर-कलेक्टर्स को मंत्रालय में हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप जनहित और जनकल्याण के लिए आरंभ की गई यात्रा का क्रियान्वयन मोदी की गारंटी की साख और गरिमा के अनुरूप हो। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार की जनहितैषी योजनाओं, लाभों और सुविधाओं के बारे में जागरूकता सुनिश्चित करने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजना की पहुंच को सुगम बनाने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा आरंभ की जा रही है। प्रमुख योजनाओं का लाभ लक्षित लाभार्थियों, विशेष तौर से वंचित व आकांक्षी लोगों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाना, योजनाओं का प्रचार-प्रसार और जागरूकता, लाभार्थियों के अनुभव साझा करना और संभावित लाभार्थियों का चयन तथा नामांकन सुनिश्चित करना यात्रा का उद्देश्य है। 26 जनवरी 2024 को यात्रा का समापन गणतंत्र दिवस पर होगा।

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के बेटे ने अपनी जीत के अंतर को बताया कम, जयवर्धन सिंह बोले- नाराज वोटर्स को मनाएंगे

भोपाल। एमपी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस सियासी संग्राम में कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं को हार मिली तो कई को जीत में मिली। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन सिंह अपनी जीत के अंतर को कम बता रहे हैं। और इसे जनता की नाराजगी बताते हुए लोगों से हाथ जोड़कर माफी मांग रहे हैं। इसके साथ ही जयवर्धन सिंह ने नाराज जनता को जल्द मना लेने की बात कही है।

क्षेत्र में जो भी कमियां हैं उनको दूर किया जाएगा

राघौगढ़ से चुनाव जीतने वाले कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह का कहना है कि उनको सिर्फ साढ़े चार हजार वोटों की जीत मिली है। यह कोई खास जीत नहीं है। कम मार्जिन से मिली अपनी इस जीत पर वह जनता से हाथ जोड़कर माफी मांग रहे हैं। जयवर्धन सिंह का मानना है कि कम वोटों से हुई जीत से लगता है कि क्षेत्र के लोग उनसे नाराज हैं। यदि ऐसा है तो वे इसके लिए हाथ जोड़कर जनता से माफी मांगते हैं। राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह का कहना है कि जो भी कमियां हैं उनको वे दूर करने की कोशिश करेंगे। साथ ही जयवर्धन सिंह का कहना है कि बीजेपी के नेताओं ने उनको हराने और उनके पिता दिग्विजय सिंह को नीचा दिखाने के लिए बड़ी साजिश रची थी।

शिवराज ही बीजेपी का असली चेहरा

जयवर्द्धन सिंह का कहना है कि मोहन यादव मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री बन गए हैं, लेकिन मध्यप्रदेश में बीजेपी का सबसे बड़ा चेहरा अब भी शिवराज सिंह चौहान ही रहेंगे।

4 हजार 505 वोटों वोट से जीते थे जयवर्धन सिंह

बता दे कि गुना जिले की राघोगढ़ विधानसभा सीट से कांग्रेस के जयवर्धन सिंह की जीत हुई थी। जयवर्धन सिंह ने बीजेपी के हिरेन्द्र सिंह बंटी को 4 हजार 505 वोटों के अंतर से हराया। जयवर्धन सिंह को 95 हजार 738 और बीजेपी के हिरेन्द्र सिंह बंटी को 91 हजार 233 वोट मिले थे। बता दे कि राघोगढ़ विधानसभा सीट कांग्रेस का गढ़ रही है।

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद एक्शन में नगर पालिका, खुले में मांस बेच रहे दुकानदारों को एक दिन का अल्टीमेटम

धार। बुधवार को नगर पालिका के अमले ने शहर में संचलित हो रही मांस की खुली दुकानों पर निरीक्षण कर दुकान मालिको को खुले में मांस विक्रय ना करने की समझाईश दी। नगर पालिका का अमला भाजी बाजार और मुर्गी मार्केट में पहुंचा और मांस की दुकानों संचलित कर रहे दुकानदारों से पर्दे और अपारदर्शी कांच के अंदर रखकर मांस की दुकानों को संचि?लत करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश के नवागत मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शपथ ग्रहण के बाद खुले में अवैध रुप से मांस-मछली आदि का क्रय-विक्रय को प्रतिबंधित करने हेतु 15 दिवस का विशेष अभियान चलाए जाने के दिशा निर्देश जारी किए थे। भाजी बाजार पहुंची नपा की टीम ? राज्य शासन के निर्देश पर गुरुवार शाम को नगर पालिका की टीम भाजी बाजार स्थित मटन मार्केट में पहुंची जहां खुले में मांस का विक्रय कर रहे दुकानदारों को समझाईश देते हुए दुकानों के अंदर पर्दे और कांच लगाने की बात कही जिसके बाद नगर पालिका का अमला मुर्गी मार्केट पहुंचा और यहां भी दुकानों के बाहर रखकर मुर्गा-मुर्गी काटकर बेचने वालों को समझाईश दी।

सहायक राजस्व निरीक्षक हेमराज वर्मा ने बताया कि शासन के निर्देश है मांस को खुले में नही बेचा जा सकता। आज टीम ने व्यापारियों को समझाईश दी है इसके बाद भी व्यवस्थाओं में बदलाव नही होता है तो वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्रवाही की जाएगी।

विश्व विकलांग दिवस का किया बहिष्कार शासकीय योजनाओं से वंचित दिव्यांगों ने मनाया काला दिवस

दमोह विश्व विकलांग दिवस 3 दिसंबर के उपलक्ष में मूकबधिर विद्यालय तहसील ग्राउंड दमोह में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग दमोह एवं बी आर सी दमोह के तत्वधान में विश्व विकलांग दिवस का आयोजन किया गया जिसमें जिले के दिव्यांगों एवं सामाजिक क्षेत्र में कार्य कर रही संस्थाओं के पदाधिकारी एवं संस्थाओं के बच्चों को कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं किया गया जो की जो की सामाजिक न्याय विभाग प्रभारी मुख्य लिपिक विकास श्रीवास्तव एवं विकलांग पुनर्वास केंद्र मुख्य अधिकारी श्रीमती संगीता मिश्रा की उदासीनता के कारण आज जिले के दिव्यांग विश्व विकलांग दिवस में सम्मिलित नही हो सके एवं ना ही संस्थाओं को किसी प्रकार की सूचना दी गई साथ ही विकलांग उत्थान समिति जिला अध्यक्ष जागेश्वर लोधी ने बताया कि लाखों रुपए के फर्जी बिल बनाकर विश्व विकलांग दिवस के कार्यक्रमों का उल्लेख किया जाता है, शासकीय राशि को भ्रष्टाचार निमित्त संक्षिप्त रूप में कर जिले के दिव्यांगों को शासकीय योजनाओं से वंचित किया जाता रहा है एवं दिव्यांगों के नाम पर कुछ भी नहीं है न समय पर उपकरण मिलते, न ही अन्य योजनाओं का लाभ आज कलेक्टर महोदय को आवेदन देकर इस संबंध में जानकारी दी गई है कि आगामी समय में इस प्रकार के कार्यक्रमों का सही तरीके से प्रचार प्रसार कर दिव्यांगों को सम्मिलित कर उनका उत्साह वर्धन कर शासकीय योजनाओं का सत प्रतिशत लाभ दिलाया जाए एवम लापरवाह कामजोर अधिकारियों के ऊपर कारवाई किया जाना न्याय हित में होगा,बिकलांग उत्थान समिति पदाधिकारियों ने काला दिवस मनाया।

सागर लोकायुक्त ने ग्रामीण यंत्रिकी विभाग दमोह में की कार्यवाही

स्टॉप डैम बिल के एवज में 10 हजार की रिश्वत लेते सहा ग्रेड 3 बाबू गिरफ्तार

दमोह ग्रामीण यंत्रिकी विभाग मे विगत कई बरसों से भ्रष्टाचार चरम सीमा में चल रहा है जिसका नतीजा आज ग्रामीण यंत्र की विभाग मैं ग्रेड 3 की शिकायत आवेदक प्रमोद तिवारी मुकेश नायक कालोनी दमोह द्वारा लोकायुक्त सागर से की गई थी इसके बाद लोकायुक्त टीम द्वारा यह कार्रवाई करते हुएआरोपी अंकित सैनी पुत्र दयाराम सैनी उम्र 35 वर्ष सहा ग्रेड 3 आरईएस दमोहघटनास्थल सहा ग्रेड 3 आर ई एस दमोह रिश्वत राशि 10000/- रुपये।

आवेदकः आवेदक के एम बी.बुक में दर्ज बिल बनाने के एवज में10000 /- की रिश्वत लेते हुए दिनांक 14/12/23 को रंगे हाथों पकड़ा गया।

ट्रेपकर्ता अधिकारीः निरीक्षक रोशनी जैन ट्रेप दल सदस्य उप पुलिस अधीक्षक मंजू सिंह, निरीक्षक.रोशनी जैन,प्र. आर. अजय छेत्री, प्रआर महेश हजारी आर विक्रम सिंह आर राघवेन्द्र. आर. सुरेंद्र प्रताप आरक्षक आशुतोष व्यास मार्गदर्शन योगेश्वर शर्मा,पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त सागर।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ 16 को तिरला एवं ज्ञानपुर से होगा

धार 14 दिसंबर 2023 / भारत सरकार द्वारा संचालित विकसित भारत संकल्प यात्रा 16 दिसम्बर से प्रारम्भ होकर 26 जनवरी, 2024 तक आयोजित की जावेगी। जिसमें प्रत्येक ग्राम पंचायत पर एक कार्यक्रम आयोजित किया जावेगा। विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजना की पहुंच को सुगम बनाए जाने एवं वंचित व्यक्ति तक पहुंचने जनसामान्य में योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने एवं जागरूकता पैदा करने, वंचितों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने, लाभार्थियों के व्यक्तिगत अनुभव साझा करने %मेरी कहानी, मेरी जुबानी% तथा संभावित - लाभावर्थियों का चयन, आवेदनों को प्राप्त करने के उद्देश्य से %विकसित भारत संकल्प यात्रा% आयोजित की जा रही है।

यात्रा में रूट-चार्ट अनुसार आई.ई.सी. वेन द्वारा फिल्म का प्रदर्शन कर कार्यक्रम आयोजित किए जावेंगे। आई.ई.सी. वेन से सूचना का प्रचार-प्रसार किया जायेगा। कार्यक्रम स्थल पर प्राकृतिक खेती, साईल हेल्थ कार्ड एवं उन्नत तकनीक की जानकारी, आयुष्मान भारत के कार्ड्स, स्वास्थ्य शिविर के आयोजन में सिकल सेल तथा टीबी परीक्षण, पेंशन आवेदन, पीएम आवास योजना-ग्रामीण, पीएम उज्जवला योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, पीएम पोषण अभियान, हर घर जल, स्वामित्व योजना, जनधन योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम विश्वकर्मा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, पीएम प्रणाम योजना, नेनो उर्वरक का उपयोग, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन का आयोजन आदि की जानकारी उक्त यात्रा के माध्यम से दी जावेगी। यात्रा में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाये जावेंगे, जैसे- पेंशन योजनाओं का स्टॉल, स्वास्थ्य मेला, कृषि संबंधी स्टॉल, स्वसहायता समूह का स्टॉल, बैंकिंग क्षेत्र का स्टॉल, आदिवासी विभाग का स्टॉल, खेलकूद (कबड्डी, खो-खो, रस्सा आदि) का आयोजन किया जायेगा।

विकसित भारत संकल्प यात्रा हेतु जिला स्तरीय शुभारम्भ, जनपद पंचायत तिरला में ग्राम पंचायत तिरला तथा ज्ञानपुरा में 16 दिसंबर को विधायका श्रीमती नीना वर्मा के मुख्य आतिथ्य में यात्रा प्रारम्भ की जावेगी । इसी प्रकार 17 दिसंबर को ग्राम पंचायत आहू एवं चन्दवाडा, 18 दिसंबर को ग्राम पंचायत, धामंदा व अकोदा, 19 दिसंबर को खरसोडा व सिमलावदा, 20 दिसंबर को चिलूर व नलावदा, 21 दिसंबरको ग्राम पंचायत नादनखेडा व बोधवाडा, 22 दिसंबर को ग्राम पंचायत चिकल्या व खरमपुर में आयोजित की जावेगी।

खुले में मांस एवं मछली के विक्रय पर रोक

औबेदुल्लागंज संवाददाता. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में खुले में बिना अनुमति मांस तथा मछली का विक्रय प्रतिबंधित किया जायेगा। इसके संबंध में 15 दिसम्बर से सभी नगरीय निकायों में मध्यप्रदेश नगरपालिक निगम अधिनियम-1956 के प्रावधानों के तहत विशेष अभियान चलाया जायेगा। कलेक्टर अरविंद दुबे द्वारा एसडीएम, सीएमओ सहित संबंधित अधिकारियों को विशेष अभियान चलाए जाने के संबंध में दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

प्रदेश के विभिन्न शहरों में सामान्यतरू किसी भी प्रकार के व्यवसाय, दुकान, बाजार या रेहड़ी आदि लगाने के लिये नगरीय निकायों द्वारा मध्यप्रदेश नगरपालिक निगम अधिनियम-1956 एवं अन्य सुसंगत अधिनियमों के अंतर्गत अनुज्ञा/अनुमति/अनापत्ति प्रदान की जाती हैं। विशेष रूप से किसी भी प्रकार के मांस एवं मछली के विक्रय के लिये नगरीय विकास विभाग के अधिनियमों के अतिरिक्त खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के प्रावधान लागू होते हैं। इसके अंतर्गत जिलों में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा मांस एवं मछली के विक्रय के संबंध में अतिरिक्त शर्तें लगाई जाती हैं। इस अधिनियम के अंतर्गत मांस एवं मछली के विक्रय के समस्त प्रतिष्ठानों में अपारदर्शी कांच/दरवाजा एवं साफ-सफाई की सम्पूर्ण व्यवस्था होना अनिवार्य है।

इसके साथ ही किसी भी धार्मिक स्थल के मुख्य द्वार के सामने 100 मीटर की दूरी के भीतर उक्त सामग्री का विक्रय या प्रदर्शन प्रतिबंधित है। सभी जिला कलेक्टर्स, नगरीय निकायों के आयुक्तों और मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को अधिनियमों/नियमों एवं लायसेंस की शर्तों का पालन कड़ाई से कराने के निर्देश दिये गये हैं। सभी निकाय क्षेत्रों में आगामी 15 दिवस तक अतिक्रमण निरोधी दस्ते तथा स्वास्थ्य अमले के अतिरिक्त जिला एवं पुलिस प्रशासन विशेष अभियान चलायेगा। यह अभियान 15 दिसम्बर से प्रारंभ होकर 31 दिसम्बर तक निरंतर चलाया जायेगा। अभियान की राज्य स्तर पर मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिये गये हैं।

विधायक ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

दिए सख्त निर्देश तय सीमा में हो जनता के काम

बरेली 7 उदयपुरा विधानसभा क्षेत्र के नव निर्वाचित विधायक नरेंद्र शिवाजी पटेल ने तहसील प्रांगण स्थित तहसील कार्यालय में उदयपुरा एवं बाड़ी ब्लॉक के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर अधिकारी और कर्मचारी से परिचय प्राप्त किया सर्वप्रथम एसडीएम संतोष मुद्गल के साथ सभी उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों ने विधायक का पुष्पाला पहनाकर स्वागत किया 7 समीक्षा बैठक में विधायक नरेंद्र शिवाजी पटेल ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी अधिकारी कर्मचारी यह बात जान ले की अगर मैं इस कुर्सी पर बैठा हूं तो उदयपुरा विधानसभा का प्रत्येक मतदाता इस कुर्सी पर बैठा है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को धरातल पर पूर्ण रूप से क्रियान्वयन हो और पात्र हितग्राहियों को उन सभी योजनाओं का लाभ मिले सभी अधिकारी कर्मचारी अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाएं जनता के पेंडिंग पड़े कार्य तेज समय सीमा में तीव्र गति से हो और पारदर्शिता का विषेश ध्यान दें समीक्षा बैठक में विकसित भारत संकल्प यात्रा के बारे में भी विधायक ने अधिकारियों और कर्मचारियों से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए हर पंचायत स्तर पर निकाली जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा का भव्य और दिव्य स्वागत हो इस यात्रा को लेकर प्रशासन पूरे अलर्ट मोड पर रहे समीक्षा बैठक में एसडीएम संतोष मुद्गल, उदयपुरा जनपद सीईओ, बाड़ी जनपद सीईओ, बरेली नगर परिषद अध्यक्ष हेमंत राजा भैया चौधरी, सीबीएमओ हेमंत यादव के साथ सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे 7

लोकतंत्र को जिंदा रखती है, पत्रकारिता, दिशा भटके तो मार भी देती है

दुबे जी की स्मृति पर विधायक शर्मा ने पत्रकारों को दी सीख

इटारसी। सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह से पत्रकारिता की जाती है, नकारात्मक पत्रकारिता से कुछ लाभ है तो कुछ नुकसान भी हैं। इसकी एक सीमा होना चाहिए। इन चुनावों में मैंने नकारात्मक पत्रकारिता का एक रूप देखा है, पत्रकारिता की ऐसी उम्मीद कभी नहीं की थी। लेकिन, जनता ने इसे समझा और उसे नजर अंदाज करके मुझे जीत का आशीर्वाद दिया।

यह बात श्री प्रेमशंकर दुबे स्मृति दिवस पर पत्रकार के बीच मुख्य अतिथि विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा ने कही। विधायक शर्मा ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मैंने श्री प्रेमशंकर दुबे जी के साथ काम किया है, उनके काम के तरीके को नजदीक से देखा है, उनके काम, बेवाकता को देखा, उनकी भाषा में क्रोध नहीं रोष होता था, जिसमें सीख होती थी। आज के पत्रकारों को उनसे प्रेरणा लेना चाहिए। पत्रकारिता लोकतंत्र को जिंदा भी रखती है और यदि दिशा भटके तो उसे मार भी सकती है। उन्होंने दादा प्रेमशंकर दुबे के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इससे पूर्व अतिथियों ने दादा प्रेमशंकर दुबे के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने कहा कि मीडिया की समाज को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आपके माध्यम से ही हमें समस्याओं और कमियों का पता चलता है और हम उसमें सुधार का काम करते हैं, कठिन परिस्थितियों में भी आप पत्रकारिता के माध्यम से समाज को सही दिशा देने

का काम करते हैं। कार्यक्रम का संचालन संयोजक भूपेन्द्र विश्वकर्मा रहें तथा आभार प्रदर्शन राजेश दुबे ने किया। वहीं इस वर्ष का श्री प्रेम शंकर दुबे स्मृति राज्य स्तरीय पत्रकारिता पुरस्कार नर्मदा पुरम के टीवी जर्नलिस्ट आशीष मालवीय को प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा ने आशीष मालवीय को शॉल-श्रीफल, स्मृति चिह्न देकर सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया। सन् 2002 से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से शुरूआत करके मालवीय ने पत्रकारिता कर देश तथा राज्य के कई न्यूज चैनलों में कार्य किया है। मालवीय जिला स्तरीय अधिमान्यता प्राप्त पत्रकार हैं , तथा कोरोना कार्यकाल में आपकी रिपोर्टिंग से प्रभावित होकर प्रसार भारती ने राष्ट्रीय स्तर पर आपको सम्मानित किया था।

विधायक डॉ. शर्मा का सम्मान

शहर के सभी पत्रकारों की और से छटवी बार विधायक बनने और दूसरी हैट्रिक लगाने किया गया। पत्रकार प्रमोद पगारे ने डॉ. शर्मा को शॉल-श्रीफल भेंट करके उनका सम्मान किया इस दौरान इस कार्यक्रम में शहर सहित जिले के समस्त पत्रकार एकत्रित रहें।

रिलायंस जनरल इंश्योरेंस ने रिलायंस हेल्थ ग्लोबल को लॉन्च किया

मुंबई । भारत में साधारण बीमा क्षेत्र की बड़ी कंपनियों में से एक, रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने आज रिलायंस हेल्थ ग्लोबल को लॉन्च किया है, जो दुनिया भर की स्वास्थ्य सेवाओं को भारतीयों के लिए सुलभ बनाने के उद्देश्य से डिज़ाइन की गई एक हेल्थकेयर पॉलिसी है। यह पॉलिसी भारत के साथ-साथ इसकी सीमाओं के बाहर पूरी दुनिया में सुरक्षा का कवरेज देती है, जो ऐसे लोगों को सहज तरीके से बेमिसाल अनुभव प्रदान करती है, जिन्हें ग्लोबल लाइफ़स्टाइल की आदत हो चुकी है और जो चाहते हैं कि विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएँ और बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर आसानी से उपलब्ध हो। रिलायंस हेल्थ ग्लोबल ढेर सारी बेमिसाल सुविधाओं की पेशकश करता है, जिसने हेल्थ इंश्योरेंस के क्षेत्र में दिए जाने वाले प्रस्तावों को एक नई परिभाषा दी है। कैंसर और बाईपास सर्जरी जैसी गंभीर बीमारियों के साथ-साथ विदेशों में इलाज के लिए बड़े पैमाने पर कवरेज के अलावा, यह पॉलिसी देश के भीतर भी बेमिसाल कवरेज प्रदान करने के मामले में सबसे आगे है। भारत में असीमित बीमा-राशि की पेशकश के साथ इसने हेल्थ इंश्योरेंस के मायने को ही बदल दिया है, जो पॉलिसीधारकों को बेजोड़ सुरक्षा के साथ-साथ मन की शांति भी देता है।

ई-स्कूटर जुलु के लॉन्च के साथ, काइनेटिक ग्रीन का इलेक्ट्रिक स्कूटरों में बड़ा लक्ष्य है

मुंबई । भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की अग्रणी निर्माता कंपनी काइनेटिक ग्रीन ने मुंबई में एक कार्यक्रम में अपना बहुप्रतीक्षित, बिल्कुल नया इलेक्ट्रिक स्कूटर, जुलु लॉन्च किया। काइनेटिक ग्रीन ने आज ब्रांड दर्शन कथन - 'प्लैनेट एट अवर हार्ट' के साथ एक नई ब्रांड पहचान का भी अनावरण किया।

लॉच के अवसर पर बोलते हुए, काइनेटिक ग्रीन के संस्थापक और सीईओ सुलज्जा फिरोदिया मोटवानी ने कहा, ÷यह काइनेटिक ग्रीन परिवार और बड़े पैमाने पर ईवी उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। काइनेटिक ग्रुप को काइनेटिक होंडा स्कूटर और काइनेटिक लूना जैसे क्रांतिकारी दोपहिया वाहनों के लिए लाखों लोगों द्वारा जाना और पसंद किया गया है। हमारे ई-स्कूटर जुलु के लॉन्च के साथ, काइनेटिक ग्रीन यह घोषणा करते हुए उत्साहित है कि हम आने वाले वर्षों में अपने ग्राहकों के लिए 2-पहिया और 3-पहिया वाहनों की एक श्रृंखला विकसित करेंगे और लाएंगे और अब ' ग्रीन' अवतार में। मैं समाज के लिए नवाचार और सेवा की महान काइनेटिक विरासत को आगे बढ़ाने में

ओईएम को उपभोक्ताओं में उत्साह बनाए रखने के लिए मूल्य एवं अनुभव सृजन पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत

गुरुग्राम एजेंसी। 2023- भारत में उपभोक्ताओं के बीच स्मार्ट डिवाइस में कमी आई है। यह तथ्य टेकआर्क द्वारा जारी इंडिया कनेक्टेड कंज्यूमर रिपोर्ट 2024 के चौथे संस्करण में सामने आया है। हर वर्ष, टेकआर्क भारत में जुड़े हुए उपभोक्ताओं के बारे में अंतर्दृष्टि और रुख जारी करती है जो विभिन्न स्मार्ट डिवाइस को अपनाने और उनकी तरजीह से जुड़ा होता है। इस अंतर्दृष्टि एवं रुख का आधार भारत में 2500 जुड़े हुए उपभोक्ताओं के बीच सर्वेक्षण, सेकेंडरी डेटा और ई-कॉमर्स मार्केट में बेचे गए ऐसे स्मार्ट डिवाइस के 400 से अधिक एसकेयू के रिव्यू एवं रेटिंग का विश्लेषण है।इस रिपोर्ट की मुख्य बातों को साझा करते हुए टेकआर्क के संस्थापक और मुख्य विश्लेषक फैसल कावुसा ने कहा, यहां सबसे चिंताजनक बात यह सामने आई है कि इन स्मार्ट डिवाइस में उपभोक्ताओं की रुचि घट रही है क्योंकि ये डिवाइस उन्हें एक सीमा से परे वास्तविक मूल्य देने में विफल हैं। इस पूरे बाजार की वृद्धि को गति देने के लिए उपभोक्ताओं में उत्साह बनाए रखना जरूरी है जिसके लिए इन डिवाइस में उल्लेखनीय मूल्य जोड़ने की जरूरत है। हम पहले ही स्मार्टफोन बाजार में स्थिरता आती देख रहे हैं। अन्य स्मार्ट डिवाइस में यदि हम उपभोक्ताओं के लिए मूल्य भागफल में सुधार करें तो हमारे पास संभावना है।फैसल ने कहा, इस मूल्य को सामने लाने में चिपसेट एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है क्योंकि यह किसी भी डिवाइस की क्षमताओं एवं कार्यों को परिभाषित करता है।

मुट्ठी भर बादाम के साथ अपने त्योहार को बनाएं सेहतमंद

नईदिल्ली, एजेंसी। केक, कैरल और जश्न मनाने का मौका फिर लौट आया है! क्रिसमस का त्योहार पास आने के साथ काफी सारे लोग मीठे व्यंजन बनाने की तैयारियों में जुट गए हैं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि इनका जरूरत से ज्यादा सेवन सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। भारत में डायबिटीज तथा प्रीडायबिटीज के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह चिंता स्वाभाविक है। इंडियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) और मद्रास डायबिटीज रिसर्च द्वारा कराए गए एक अध्ययन में ऐसा अनुमान लगाया गया है कि भारत में करीबन 10.1 करोड़ लोग डायबिटीज से ग्रसित हैं और 13.6 करोड़ लोग प्री-डायबिटीज की अवस्था में हैं। त्योहार के इस मौसम में हमारे आस-पास केवल स्वादिष्ट केक और चॉकलेट ही होंगे, ऐसे में अपनी सेहत और तंदुरुस्ती के लिए सतर्क रहना जरूरी है। ऐसे में बादाम बहुत ही अहम भूमिका निभाते हैं, खासकर यदि हम एक सेहतमंद लाइफस्टाइल शामिल करना चाहते हैं और शक्कर से भरपूर चीजों से दूर रहना चाहते हैं। बादाम अच्छाइयों का भंडार है और विटामिन ई, मैग्नीशियम, राइबोफ्लेविन, जिंक, प्रोटीन जैसे 15 पोषक तत्वों का स्रोत है। यदि हम नियमित रूप से इस पौष्टिक नट को अपने संतुलित आहार में लेते हैं तो उससे ब्लड शुगर का स्तर नियंत्रित रहता है और दिल की सेहत अच्छी बनी रहती है।

जौहरी' के साथ चारु असोपा ने किया अपना ओटीटी डेब्यू

नईदिल्ली, एजेंसी। टेलीविजन उद्योग में एक दशक से अधिक समय के करियर के साथ दर्शकों का दिल जीतने के बाद, चारू ने एमएक्स प्लेयर और अतरंगी टीवी पर हाल ही में लॉन्च हुई श्रृंखला जौहरी के साथ अपना ओटीटी डेब्यू किया। सीरीज के बारे में बात करते हुए चारू ने कहा, जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे पता था कि यही वह स्क्रिप्ट है जिसका मैं इंतजार कर रही थी। यह शो मेरे लिए वापसी का शो था और मैं एक अलग भूमिका निभाना चाहती थी। मैंने हमेशा टीवी पर काम किया है और कई भूमिकाएं निभाई हैं। मुझे तानी का किरदार दिलचस्प और मेरे ओटीटी डेब्यू के लिए सही लगा।चारु असोपा रहस्यमय तानी का किरदार निभा रही है, जिसका प्रभाव नीरज को हीरे के कारोबार में आगे रहने के लिए प्रेरित करता है। वह वही थी जिसने उसके जीवन को बदल दिया था। जबकि कारोबार में दिमाग नीरज का था, लेकिन वह चेहरा थी जिसने देश के महत्त्वपूर्ण लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। जौहरी एक आम आदमी का सफर दर्शाता है जो अपने चाचा के मार्गदर्शन में हीरों के व्यवसाय का बेताज बादशाह बन जाता है।

India's Rising Economy | Mediawala

After a lot of action and din of elections in five states, it is time to wade into the economic status of our country. The GDP growth of 7.6% in September of this fiscal year has startled financial regulators, national and international economists. The projected growth by RBI for this quarter was only 6.5%, nearly 1% less than the actual growth. This 1% more growth than the projected growth shows the resilience of Indian economy. . The highlights of the data are growth of 13.9% in manufacturing to Rs 7.15 lakh crore, construction increasing by 13% to Rs 3.04 lakh crore and investment rising 11% to Rs 14.71 lakh crore.Share market has crossed $4 trillion mark, making India only the fourth country to record this level of valuation. As a percentage of GDP, it exceeded 100%. Market capitalisation to GDP ratio is a widely tracked measure of valuation. The US, having a strong base of technology has market capitalisation to GDP Ratio above 100%. The present ratio of above 100% in India shows that its all macro economic factors are strong and pulling the market with it. Of greater relevance here is recent research that identifies the primary reason for the increase in market capitalisation to the confidence on India's GDP growth that has driven FPI (Foreign Portfolio Investor) investments into India. The structural shift in the ratio of market capitalisation to GDP was influenced mainly by a shift in profit in major economies to companies listed on stock exchanges. Market capitalisation GDP ratio, therefore, reflects deep economic transformation.

The collection of GST in the last month rose to ? 1.68 lakh crore- up 15.1% over the same month last year. Significantly corporate tax increased by 20% during April to September this year. The robust tax collection in India can be understood in the background of more spending by the central and state governments. The central government has reduced its fiscal debt and allotted more for capital expenditure boosting the infrastructure. In spite of social sector spending and freebies, the major states of India have spent 47% in capital expenditure in first half of this fiscal year. This favourable economic environment has accelerated people's saving in Mutual Fund to 2.5 times at Rs 1.6 lakh crore.

According to Periodic Labour Force Survey Annual Report, India's unemployment rate for individuals aged 15 and above reached a six-year low of 3.2 per cent during the period from July 2022 to June 2023.

In spite of this economic scenario being in good trim, India is a poor country. It's per capita income is near the bottom quarter of the world. Human indices, specially in health, are very weak. Education standards are dismal and opportunity for skill development are still not easily available. The administrative chaos in states like Bihar, Jharkhand pull the country downward. India has to grow along with other regions. 70% of India's economically lower population increases its income very slowly as compared to upper 30%. A rising India has to find its solution for inclusive development.

P&G gets Freddy Bharucha as President of North America Personal Care & Beauty Operations

An American multinational consumer goods corporation, Procter & Gamble (P&G) has appointed Freddy Bharucha to be the company's first President of North America Personal Care & Beauty Operations.

In addition to leading P&G Beauty's media efforts and heading up its cross-category retail strategy, Freddy Bharucha will also serve on the board for the Personal Care Products Council (PCPC).

P&G Beauty's decision to create this new position stems from Freddy Bharucha's proven track record of the driving brand, business, and organizational growth, with a focus on tapping into emerging synergies across the fast-paced North American beauty market, while maintaining the independent

operation of distinct categories.

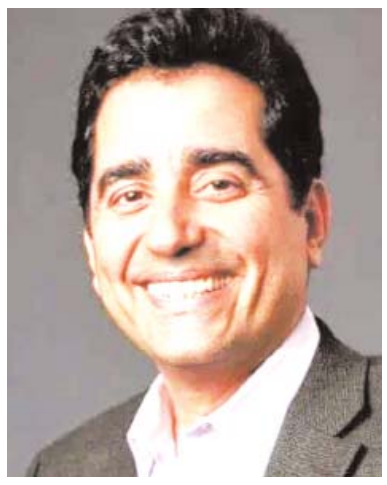

Freddy is a veteran P&G leader, with nearly 30 years of experience spanning multiple categories including Beauty, Health, Fabric, and Home Care.

Watch on YouTube- HR Tech and Generative AI in HR Trends for 2024, Click Here

He has lived and worked across a range of global markets including Asia-Pacific, Europe, North America, India-Middle East Africa, Greater China and Latin America.

Freddy is a experienced leader with a demonstrated history of turning around businesses and brands across multiple categories in the consumer goods industry.

He is known as an inspiring, passionate, and innovative leader, his impact extends to the broader P&G enterprise as a leader who champions equality, diversity, and inclusion for all.

Freddy holds his Master in Business Administration from Indian Institute of Management, Calcutta.

एलआईसी दुनिया की चौथी बड़ी इंश्योरेंस कंपनी, जानिए कौन है पहले नंबर पर

नई दिल्ली- भारतीय जीवन बीमा निगम यानी एलआईसी (स्द्धष्ट) देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी है। लेकिन दुनिया में यह चौथे नंबर पर है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केटिंग इंटेलीजेंस के मुताबिक एलआईसी के पास कुल 503.7 अरब डॉलर का रिजर्व है। इस लिस्ट में जर्मनी की कंपनी अलायंज एसई 750.2 अरब डॉलर रिजर्व के साथ पहले नंबर पर है। चाइना लाइन इंश्योरेंस कंपनी 616.9 अरब डॉलर के रिजर्व के साथ दूसरे और निप्पन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी 536.8 अरब डॉलर के रिजर्व के साथ दूसरे नंबर पर है। दुनिया की टॉप 50 इंश्योरेंस कंपनियों की लिस्ट में एलआईसी एकमात्र भारतीय कंपनी है।शॉपिंग-मेगा इलेक्ट्रॉनिक डेज़ सेल (9-17 दिसंबर)-लैपटॉप, स्मार्टवॉच, हेडफोन आदि पर 75त्न तक की छूट 7

इस लिस्ट में यूरोप को छह देशों का बोलबाला है। इन देशों की 21 कंपनियों को इस लिस्ट में जगह मिली है। सबसे ज्यादा ब्रिटेन की छह कंपनियां इस लिस्ट में शामिल हैं। ग्लोबल लाइफ इंश्योरेंस में भारत की हिस्सेदारी मात्र 1.9 परसेंट है। इसके बावजूद एलआईसी दुनिया का पांच टॉप इंश्योरेंस कंपनियों की लिस्ट में शामिल है। इसकी वजह यह है कि भारतीय बाजार में एलआईसी का दबदबा है। हालांकि न्यूज बिजनस के संदर्भ में देखें तो कंपनी का मार्केट शेयर गिरकर 59 परसेंट रह गया है। प्रीमियम इनकम की बाद करें तो 2023 में भारत दुनिया में सातवें नंबर पर रहा। 2022 में भारत की रैंकिंग नौवीं थी। फिनटेक यूनिट लाने की तैयारी में स्द्धष्ट, दिसंबर में ऑफर करेगी नई सर्विस, जानिए क्या है।

सीआईआई-एक्सकॉन के 12वें संस्करण की रोमांचक शुरुआत

बेंगलूरु , एजेंसी। सीएनएच इंडस्ट्रियल के अग्रणी ब्रांड सीएएसई कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट ने इंटरनेशनल इक्विपमेंट और कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी ट्रेड फेयर सीआईआई-एक्सकॉन 2023 के 12वें संस्करण की रोमांचक शुरुआत की। कंपनी ने अपने बैकहो लोडर-770 एनएक्स प्लस और सॉइल कॉम्पेक्टर 1107 एनएक्स-पीडी को प्रदर्शित करते हुए बीएस (सीईवी) अनुपालन के लिए अपनी तैयारी की घोषणा की। इसने अपने घरेलू उत्पाद पोर्टफोलियो में बिल्कुल नए स्किड स्टीयर लोडर - एसएसएल 175 और मिनी एक्सकेवेटर - सीएक्स 35 डी के माध्यम से कॉम्पैक्ट मशीनों के अनावरण के साथ भारत में दो नई श्रेणियों में अपनी शुरुआत की और पूरे लोडर बैकहो पोर्टफोलियो को 22 नई सुविधाओं के साथ उद्योग के सबसे सुरक्षित ऑपरेटर केबिन में अपग्रेड किया।

श्याम स्टील को प्रतिष्ठित ग्रीनप्रो प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया

इस्पात (स्टील) के संवहनीय उत्पादन के क्षेत्र में एक उपलब्धि

मुंबई । टी.एम.टी. बार के उद्योग में एक प्रमुख कंपनी, श्याम स्टील ने गर्व के साथ अपने उत्पादों, स्न्द्ग 500ष्ठ (त्नक्क्स्स्न्3 45002) एवं स्न्द्ग 550ष्ठ (त्नक्क्स्स्न्3 45001) के लिए अपनी सबसे नई उपलब्धि- भारतीय उद्योग परिसंघ - ग्रीन प्रोडक्ट्स एंड सर्विसेज़ काउंसिल द्वारा प्रतिष्ठित ग्रीनप्रो प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाने की घोषणा की है। यह उल्लेखनीय सम्मान श्याम स्टील की संवहनीयता एवं बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पादों को प्रस्तुत करने के प्रति अविचल प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।

पूरी सावधानी से पश्चिम बंगाल के अंगदपुर कारख़ाने में निर्मित स्न्द्ग 500ष्ठ (त्नक्क्स्स्न्3 45002) और पश्चिम बंगाल के मेजिया कारख़ाने में स्न्द्ग 550ष्ठ (त्नक्क्स्स्न्3 45001) ने ग्रीनप्रो प्रमाणन द्वारा निर्धारित कठोर मानदंडों को पूरा कर लिया है। यह उपलब्धि सी.आई.आई.-ग्रीन प्रोडक्ट्स एंड सर्विसेज काउंसिल द्वारा स्थापित पर्यावरण के कठोर मानकों को न केवल पूरा करने बल्कि उनसे आगे निकलने के श्याम स्टील की लगन को तटस्थ बनाती है।

श्याम स्टील इंडस्ट्रीज के निदेशक, श्री ललित बेरीवाला ने बताया, ÷सम्मानजनक ग्रीनप्रो प्रमाण-पत्र प्राप्त करना श्याम स्टील के लिए एक गौरवमय उपलब्धि है। यह पर्यावरण के दृष्टिकोण से इस्पात के उत्तरदायी उत्पादों के उत्पादन के लिए हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। यह सम्मान बेहतरीन उत्पाद प्रदान करते हुए पर्यावरण के कठोर मानकों को पूरा करने के लिए हमारी लगन को सशक्त बनाती है।÷ स्टील उद्योग को पर्यावरण के अनुकूल तौर-तरीक़ों को अपनाने के लिए बढ़ते हुए दबाव का सामना करना पड़ रहा है, जो सी.आई.आई.-ग्रीन प्रोडक्ट्स एंड सर्विसेज़ काउंसिल द्वारा हाल ही में श्याम स्टील को प्रदान किए गए ग्रीनप्रो प्रमाणन जैसे प्रमाण-पत्रों से सिद्ध होता है। श्री बेरीवाला ने और जानकारी प्रदान करते हुए कहा, ÷हरित इस्पात की दिशा का मार्ग 'यदि' पर आधारित नहीं है, परंतु 'कब' पर आधारित है। पूरे विश्व के देशों की सरकारें कार्बन के उत्सर्जन को कम करने पर बहुत अधिक ध्यान दे रही हैं, जिससे कार्बन के बाज़ारों और संरचनाओं का उदय संभव हो रहा है।

एथर एनर्जी ने एथर इलेक्ट्रिक दिसंबर की घोषणा की

मुंबई , एजेंसी। भारत के अग्रणी इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माताओं में से एक, एथर एनर्जी ने 'एथर इलेक्ट्रिक दिसंबर' की घोषणा की है। इस कार्यक्रम में ग्राहकों को आकर्षक कैश बेनेफ़िट्स, ईएमआई पर ब्याज में बचत और मुफ्त एक्सटेंडेड वॉरंटी का लाभ मिलेगा। इस पहल का उद्देश्य ईवी खरीदने वाले ग्राहकों को ज़्यादा लाभ और सुगम अनुभव प्रदान करना है, ताकि देश में ईवी की ओर हो रहे परिवर्तन में तेजी लाई जा सके।

इस ऑफर में ग्राहकों को 24,000 रुपये तक के लाभ दिए जा रहे हैं, जिनमें 6,500 रुपये तक के कैश बेनेफ़िट्स भी शामिल हैं। इसमें 'एथर इलेक्ट्रिक दिसंबर' कार्यक्रम के अंतर्गत 5,000 रुपये और 1,500 रुपये अतिरिक्त का कॉर्पोरेट ऑफर लाभ भी शामिल हैं। ये ऑफर 31 दिसंबर 2023 तक एथर के सबसे ज्यादा बिकने वाले स्कूटर 450एक्स और 450एस पर लागू रहेंगे।

इसके अलावा, 5.99 प्रतिशत प्रतिवर्ष की ब्याज दर पर एथर के स्कूटर मिलने से ग्राहकों को एक शानदार वित्तीय समाधान मिल रहा है, जिससे वो ईएमआई के ब्याज में 12,000 रुपये तक की बचत कर सकते हैं। साथ ही, जीरो डाउन पेमेंट और 60-महीने की ईएमआई अवधि जैसी अतिरिक्त फ़ाइनेंसिंग योजनाओं ने एथर 450एक्स और 450एस मॉडल ख़रीदना अब और ज़्यादा आसान बना दिया है।

एनएसडीसी इंटरनेशनल और एडेको ग्रुप ने रणनीतिक साझेदारी की

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) की पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडरी और ग्लोबल वर्कफोर्स सॉल्यूशन कंपनी एनएसडीसी इन्टरनेशनल और एडेको ग्रुप ने आज कुशल, प्रमाणित भारतीय उम्मीदवारों के लिए अंतरराष्ट्रीय मोबिलिटी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी साझेदारी की घोषणा की। इस रणनीतिक साझेदारी के फ्रेमवर्क से पारस्परिक रूप से लाभप्रद अवसरों के लिए भारत के युवाओं की विशाल क्षमता को अनलॉक किया जा सकेगा और दोनों संगठनों की ताकत का लाभ उठाया जा सकेगा।

कुशल प्रोफेशनल्स की ग्लोबल मांग को पहचानते हुए, साझेदारी का लक्ष्य जर्मनी, स्पेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों में योग्य भारतीय उम्मीदवारों के रोजगार को बढ़ावा देना है। इसके फोकस सेक्टर हेल्थकेयर, आईटी और इंजीनियरिंग, लॉजिस्टिक्स और सहयोगात्मक रूप से पहचाने गए अन्य सेक्टर होंगे। यह साझेदारी कुशल भारतीय उम्मीदवारों के लिए बहुआयामी अप्रोच के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय रोजगार के अवसरों तक पहुंचने का रास्ता तैयार करेगी।

इस साझेदारी पर बोलते हुए, एनएसडीसी के सीईओ और एनएसडीसी इंटरनेशनल के एमडी श्री वेद मणि तिवारी ने कहा, यह साझेदारी कुशल भारतीय उम्मीदवारों को ग्लोबल स्टेज पर अपनी विशेषज्ञता प्रदर्शित करने के अवसर प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। भारतीय प्रतिभा और ग्लोबल इम्प्लॉयर के बीच गैप को पाटने के लिए, हम अपनी कौशल पहल के माध्यम से एक सुचारु परिवर्तन सुनिश्चित कर रहे हैं और भारतीय उम्मीदवारों की

प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ा रहे हैं। इस विज़न के साथ, अपने ग्लोबल वर्कफोर्स सॉल्यूशन के लिए प्रसिद्ध एडेको ग्रुप के साथ हमारी साझेदारी, भारत के वर्कफोर्स के लिए मजबूत ग्लोबल संभावनाओं की शुरुआत का प्रतीक है। हमारे विज़न के केंद्र में एक व्यापक स्किल डेवलपमेन्ट फ्रेमवर्क है, जो व्यावसायिक और तकनीकी प्रशिक्षण के माध्यम से मांग और आपूर्ति के बीच तालमेल को बढ़ाता है।

एडेको ग्रुप के जियोग्राफिक रीजन के प्रसिडेन्ट इयान ली ने कहा, एनएसडीसी इंटरनेशनल के साथ इस साझेदारी के माध्यम से, एडेको ग्रुप एक ऐसे भविष्य का निर्माण कर रहा है जहां भारतीय प्रतिभाएं ग्लोबल उद्योगों के साथ सहजता से जुड़ सकें। यह अलायन्स गैप को पाटने और हेल्थकेयर, आईटी और इंजीनियरिंग जैसे सेक्टरों और विशिष्ट भूमिकाओं में एक डायनामिक, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जुड़े कार्यबल को विकसित करने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाता है। वैश्विक परिदृश्य प्रतिभा की कमी से जूझ रहा है, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां कौशल की मांग - विशेष रूप से ग्रीन और डिजिटल रूप से संचालित व्यवसायों में - उनकी उपलब्धता से कहीं अधिक है। और यह चुनौती वर्कफोर्स की निरंतर अपस्किलिंग और रीस्किलिंग के माध्यम से विकसित कार्य परिदृश्य में स्थायी समाधान स्थापित करने के अवसर से भरी हुई है। न्यू वर्ल्ड ऑफ़ वर्क को अपनाना आज के डायनामिक जॉब मार्केट की मांगों को पूरा करने के लिए सुसज्जित अधिक चुस्त, बहुमुखी वर्कफोर्स को बढ़ाने पर निर्भर करता है।

पेज- 1 का शेष

महामारी के रूप में फैलता प्रदूषण

गया तो पृथ्वी से जीवन खत्म ही हो जाएगा। सरकार ने वायु प्रदूषण पर स्तर पर कारगर नियंत्रण के लिए तमाम कानून बनाए है जो सतही साबित हो रहे है। इससे बड़ी बात क्या होगी कि लोग माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश को भी नजर अंदाज कर रहे है।अगर हम और दुनिया के सभी देश अब भी नही जागें तो अपने वाले समय में अपने अस्तित्व को ही बचा नहीं पाएंगे। ये सच्चाई है जिसे पूरी दुनिया को समझना होगा।

वायु प्रदूषण के खतरनाक तथ्य बाहरी प्रदूषण से हर साल 40 लाख मौतें होती है। दुनिया की 91 प्रतिशत आबादी ऐसी जगहों पर रहती है जहां वायु गुणवत्ता स्तर निर्धारित मानक से बहुत ज्यादा खराब है। इससे फेफड़ों के कैंसर और हृदय रोग से ज्यादा मौत होती है। बाहरी प्रदूषण एसी और रेफ्रीजरेटर से उत्पन्न कार्बन ओजोन परत को नुकसान पहुंचता है। दुनिया के 200 प्रदूषित शहरों में से 90 प्रतिशत शहर चीन और भारत के है। अगर इसी गति से वायु प्रदूषण होता रहा तो 2050 तक पृथ्वी का तापमान 4 से 5 डिग्री तक बढ़ेगा। तब हिम ग्लेशियर पिघल जाएंगे। वायु प्रदूषण की रोकने में एक पेड़ से जुड़े तथ्य एक पेड़ कार्बन डाई आक्साइड और हानिकारक गैसों को सोखतें हैं। एक बड़ा पेड़ चार लोगों को आक्सीजन देता है। पेड़ ग्रीन हाऊस गैसों को कम करता है जो वायुमंडल को दूषित करते है पेड़ को काटने का सिलसिला बंद नहीं होगा तो हमारा ईकोसिस्टम तहस हो जाएगा। पेड़ कटने से जैव विविधता पूरी तरह प्रभावित हो जाएगी।

परासिया विधायक की बहू ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पुलिस ने कर रही मामले की जांच, पति-पत्नि में अनबन की खबरें

छिंदवाड़ा। जिले की परासिया विधानसभा से कांग्रेस के विधायक सोहनलाल वाल्मिकी की पुत्र बधु ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जांच के बाद चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि दोपहर में परिवार के सदस्य महिला को अस्पताल लेकर पहुंचे थे। परासिया थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या की है। परिवार के लोग उन्हें निजी अस्पताल में लेकर आए थे। महिला का नाम मोनिका उम्र 28 वर्ष है। बताया जाता है कि विधायक के पुत्र आदित्य का विवाह तीन वर्ष पूर्व हुआ था। कुछ अनबन की खबरे थी। मोनिका के माता पिता इटारसी के रहने वाले हैं। पुलिस उनके परासिया आने का इंतजार कर रही है,घटना के दौरान विधायक घर से बाहर थे, पति आदित्य भी आफिस में था। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। क्षेत्र में गम का माहौल है। जानकारी के अनुसार सुबह काफी देर तक जब वह कमरे से बाहर नहीं आई तो परिवार के सदस्यों ने दरवाजा खोला तो देखा की फांसी के फंदे पर लटकी है। तत्काल उसे फंदे से उतारकर परिवार के सदस्य इलाज के लिए अस्पताल ले गए जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस पहुंची और मर्ग कायम कर जांच कर रही है। फिलहाल खुदखुशी के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। मामला आत्महत्या से जुड़ा है इसीलिए पोस्टमार्टम के उपरांत शव परिजनों को सौंपा गया।

पति पत्नि में थी अनबन

पुलिस के मुताबिक काफी लंबे समय से पति पत्नि के बीच अनबन चल रही थी। महिला ने कमरे में सिलिंग फेन के हुक से फंदा बांधकर खुदखुशी की है। सुबह जब देर तक कमरे से बाहर नहीं आई तो परिवार के सदस्यों ने कमरा खोलकर देखा तो महिला फंदे पर लटकी हुई थी।

नवविवाहिता ने भी लगाई फांसी

जुन्नारदेव थाना के अंतर्गत एक महिला द्वारा भी फांसी लगाए जाने का मामला सामने आया है, मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार दातला क्षेत्र की रहतने वाली शिवानी पति मीना प्रकाश 26 वर्ष ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली परिजन गंभीर हालत में महिला को लेकर अस्पताल पहुंचे जहां डाक्टरों ने जांच कर महिला को मृत घोषित कर दिया पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई कर पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है और आगे की जांच की जा रही है।

शपथ ग्रहण समारोह में छिंदवाड़ा से किसी को नहीं बुलाया

छिंदवाड़ा। मुख्यमंत्री मोहन यादव के शपथ गृहण समारोह में छिंदवाड़ा जिले से कोई नेता नहीं गया या उन्हें बुलाया नहीं गया, एक नेता ने बताया कि भाजपा गुटबाजी में सभी सातों सीटें हार गई। छिंदवाड़ा की सातों सीटों के हारने की चर्चा पूरे प्रदेश में है, भाजपा की सरकार बन गई और यहां से एक भी सीट नहीं जीती, एकाध सीट भी जीत जाती तो कोई न कोई मंत्री बन जाता। सातों सीटे हारनेसे अब जिले की कमान किसके हाथ में होगी यह तो भविष्य ही बतायेगा।

सनराइज स्कूल में हुआ बाल मेला का आयोजन

बिछुआ। नगर के सनराईज पब्लिक स्कूल बिछुआ में बिछुआ गुरुवार को बाल मेला का आयोजन किया गया। बाल मेला में सर्वप्रथम मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर मेला का शुभारंभ किया गया। संचालक सुनील कुमार चौरागड़े ने बताया कि बाल मेला में प्रश्न मंच के माध्यम से छात्रों से प्रश्न पूछा गया। जिसमें पांच ग्रुप में लगभग 120 बच्चों ने भाग लिया। बच्चो ने अलग-अलग प्रकार के स्वादिस्ट व्यंजनों का स्टाल लगाया गया। स्टाल में बच्चें पालक एवं शिक्षकों ने स्वादिस्ट व्यंजनो का लुफ्त उठाया गया। मेला में क्विज प्रतियोगिता मे प्रथम, द्वितीय और तृतीय व सांत्वना पुरस्कार देकर बच्चों का उत्साह बढ़ाया गया।

गौमाता का अन्तिम संस्कार करती है संस्था

छिंदवाड़ा। धर्म युग सेवा ऑर्गनाईजेशन के संचालक सतीश डेहरिया एवं उनके साथी अमित लोखंडे द्वारा एक संगठन बनाया गया जिसका नाम धर्म युग सेवा ऑर्गनाईजेशन जिसमें वे कुछ समय से गौमाता का अंतिम संस्कार कर रहे है। साथ ही वृक्षारोपण का कार्य भी कर रहे है। अभी तक सतीश डेहरिया के धर्मयुग सेवा आर्गनाईजेशन के माध्यम से कई गौ माता का अंतिम संस्कार किया चुका है। साथ ही साथ वृक्षारोपण भी किया जाता है। धर्म युग सेवा ऑर्गनाईजेशन के संचालक सतीश डेहरिया को गौमाता का अंतिम संस्कार करने व वृक्षारोपण करने के लिए पतालकोट आयुर्वेदिक इन्डसट्री के संचालक शैलेन्द्र कुमार विश्वकर्मा ने सलाह दी थी।

भारत पर्व के लिये नोडल अधिकारी नियुक्त

छिन्दवाड़ा। राज्य शासन के संस्कृति विभाग द्वारा आगामी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की संध्या पर जिला मुख्यालय पर भारत पर्व का आयोजन किया जायेगा। कलेक्टर मनोज पुष्प द्वारा जिला मुख्यालय पर भारत पर्व कार्यक्रम के आयोजन के लिये मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री पार्थ जैसवाल को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है । उन्होंने नियुक्त नोडल अधिकारी को लोक उत्सव भारत पर्व के आयोजन के लिये शासन के निर्देशानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं ।

नये साल में पर्यटकों के लिये खोले जायेंगे देवगढ़ के होम स्टे

आसान हो जायेगा देवगढ़ किले में घूमना और गांव में रुकना

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की ओर से जिले के देवगढ़ में बन रहे होम स्टे का निर्माण कार्य पूर्ण होने पर है। नव वर्ष के शुरुआती दिनों में यह होम स्टे पर्यटकों के लिए खोल दिये जायेंगे। होम स्टे खुल जाने से देवगढ़ घूमना और प्रकृति के बीच रात रुकना आसान हो जायेगा। जिला पुरातत्व, पर्यटन व संस्कृति परिषद के नोडल अधिकारी बलराम राजपूत ने बताया कि कलेक्टर श्री मनोज पुष्प व जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पार्थ जैसवाल के कुशल मार्गदर्शन में जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने व पर्यटकों को सुविधायें देने की गतिविधियां संचालित की जा रहीं हैं। इसी कड़ी में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड ने जिले के विकासखंड मोहखेड़ के ग्राम देवगढ़ में 8 होम स्टे मंजूर किये थे,जिनका जुलाई माह में भूमिपूजन किया गया था। इसमें से कुछ होम स्टे बनकर तैयार हो गये हैं और यह होम स्टे नये साल के शुरुआती दिनों में खोले जायेंगे। राजपूत ने बताया कि देवगढ़ में जंगल-पहाड़-नदी के साथ ही गोंड शासन काल का आलीशान किला भी है। साथ ही सदियों पुरानी बावड़ियां भी देखने योग्य हैं। देवगढ़ के पास अद्भुत लिलाही जलप्रपात भी है। अभी तक पर्यटकों के रुकने की व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों को देवगढ़ से वापस आना पड़ता था, लेकिन मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की होम स्टे योजना का लाभ मिल जाने से 8 होम स्टे बन रहे हैं जिससे देवगढ़ में रुकना आसान हो जायेगा। गांव में पर्यटकों के रुकने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। पहले चरण में 3 होम स्टे पर्यटकों के लिए उपलब्ध होंगे।

पेंच टनल में अधिकारियों की लापरवाही से भरी मिट्टी

एक सप्ताह हो गए फिर भी खाली नहीं निकाल पाए, किसानों के लिए परेशानी बढ़ी

छिंदवाड़ा। पेंच परियोजना के अधिकारियों की लापरवाही के कारण हरदुआ नहर पर आश्रित किसानों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गई है। पिछले एक माह से नहर में पानी आने का इंतजार कर रहे किसान अब आक्रोश जता रहे हैं। नहर के करीब 600 मीटर लंबे आरसीसी बाक्स में करीब 100 मीटर तक मिट्टी समा गई है। जिससे पानी उस पर पहुंचना कठिन हो गया है मिट्टी से भरे दो मीटर उंचाई और करीब 3 मीटर चौड़ाई वाले बाक्स को खाली करने पहले मशीन,फिर मजदूर और पिछले करीब छः दिनों से दो जेड पंप लगाकर पानी के जरिए मिट्टी निकालने का काम किया जा रहा है। अब तक करीब 70 मीटर तक ही मिट्टी निकल पाई है। काम कर रहे मजदूरों ने करीब 100 मीटर तक मिट्टी जमा होने का अंदाजा लगाया है। जिसे निकालने अभी और भी वक्त लग सकता है।

किसानों ने जताया आक्रोश

नहर पर करीब 13 गांवों के किसान आश्रित हैं, खैरी, डुंगरिया, हंसनपुर और मोरखा सहित अन्य ग्रामों से किसान सैकड़ों की संख्या में बाक्स स्थल पर पहुंचकर आक्रोश जाहिर किया है।किसानों का कहना है कि अधिकारियों की लापरवाही के कारण उन्हें सिंचाई से वंचित होना पड़ रहा है। बोवनी करने के बाद से लगातार नहर से पानी आने का इंतजार कर रहे हैं। बीच में बारिश से उनकी फसल बची रही लेकिन अब और देर हुई तो फसल बर्बाद हो जाएगी।

अधिकारियों की सुध नहीं,सिवनी में ज्यादा ध्यान

हरदुआ के आरसीसी बॉक्स मिट्टी से भरा पड़ा है। नहर के गेट में भी मिट्टी जमा है। एक सप्ताह से सफाई का काम चल रहा है। अधिकारियों ने पहले मिट्टी बॉक्स में जाने दी अब सफाई में भी बरिष्ठ अधिकारिी ध्यान नहीं दे रहे हैं। किसानों का कहना है कि अब तक कार्यपालन यंत्री या कोई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा अधिकारियों का यहां से ज्यादा सिवनी पर ध्यान है।

मिट्टी क्यों नहीं निकल पा रही

बॉक्स में समाई मिट्टी कपुर्दा के पास चल रहे निर्माण कार्य की बताई जा रही है। बारिश की वजह से मिट्टी बहकर बॉक्स में समा गई मिट्टी चिकनी होने की वजह से ट्रेक्टर और फायर के प्रेशर पंपों से भी नहीं घुल पा रही है और जैसे तैसे पानी मारकर मिट्टी को निकाला जा रहा है।

इनका कहना

दो जेट पंपों के जरिए पानी मारकर मिट्टी को घोलकर निकाला जा रहा है। 70 मीटर तक मिट्टी निकल गई है। पंप और बढ़ाए जा रहे हैं।

एस.एन.डेहरिया, एसडीओ पेंच परियोजना

जिले के पुरुष अधिकारीगण बने जेंडर चैम्पियन

छिन्दवाड़ा। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल संरक्षण मिशन वात्सल्य व बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना क्रियान्वित की जा रही है । इस योजना का एक उद्देश्य समाज में जेंडर परिवर्तनकारी बाल संरक्षण की पहल करना है जिसमें पुरुष वर्ग महिला और बालिकाओं के अधिकारों पर पैरवी करें और समाज में जागरूकता लाये ताकि पुरुष प्रधान समाज में महिलाओं और बालिकाओं के प्रति नजरिया बदले । इसी क्रम में जेंडर विभेद पर पैरवी करने के उद्देश्य से जिले के अतिरिक्त कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी के.सी.बोपचे, जनजातीय कार्य विभाग के सहायक संचालक शिक्षा श्री उमेश सातनकर, महिला एवं बाल विकास विभाग के सहायक संचालक अब्दुल गफ्फार खान व बाल संरक्षण अधिकारी चन्द्रशेखर नागेश, राजा शंकरशाह विश्विद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ.धनाराम उइके और शासकीय पी.जी कालेज के संभागीय समन्वयक डॉ.पी.एन.सनेसर, संकेतनात्मक रूप से जेंडर चैम्पियन बने हैं जिन्होंने महिलाओं और बालिकाओं की प्रगति में पुरुषों की भागीदारी का सन्देश दिया । साथ ही सहायक कलेक्टर सुश्री वैशाली जैन, संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी जिला कार्यकम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती ज्योति ठाकुर, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास श्रीमती मोनिका बिसेन ने भी महिलाओं और बालिकाओं की प्रगति में पुरुषों की भूमिकाओं के लिए चलाये गये इस अभियान में अपना समर्थन दिया है। यूनिसेफ-ममता संस्था के समन्वयक प्रतिनिधि श्री नीलेश दुबे ने भी इस कार्यकम में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है ।

विकसित भारत संकल्प यात्रा को सफल बनाने आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश

छिन्दवाड़ा। राज्य शासन द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत जिले की सभी पंचायतों एवं नगरीय निकायों में आई.ई.सी. वेन के माध्यम से विधानसभावार 16 दिसम्बर 2023 से 26 जनवरी 2024 तक संकल्प यात्रा का आयोजन किया गया है। कलेक्टर मनोज पुष्प द्वारा इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये कार्यक्रम की पूर्व तैयारियों, कार्यक्रम में समय-समय पर की जाने वाली गतिविधियों और कार्यकम समाप्ति के समय की जाने वाली गतिविधियों के संबंध में सभी राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों और सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं। कलेक्टर पुष्प द्वारा सभी राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों और सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि कार्यकम पूर्व तैयारियों के अंतर्गत ग्राम पंचायत में हितग्राहियों के लिए पंजी का संधारण करें, विकसित भारत संकल्प यात्रा के पूर्व आवेदन प्राप्त कर निराकरण व हितलाभ की कार्यवाही करायें, सतत कृषि प्रगति के संबंध में जानकारी उपलब्ध करायें, वैन का स्वागत कार्यक्रम के लिये अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय से पंचायत स्तर पर स्वागत समिति और उत्सव समिति के गठन का आदेश जारी करें, कार्यक्रम की पोर्टल पर जियो टैगिंग करें, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी के माध्यम से प्रतिदिन के यात्रा प्रभारी अधिकारियों की पोर्टल संबंधी ट्रेनिंग करायें, पंचायत कार्यक्रम के लिये सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को अनुभाग स्तर पर विस्तृत प्रशिक्षण दिलायें तथा अगले दिन होने वाले कार्यक्रम वाली ग्राम पंचायत में प्रचार वाहन का रात्रि विश्राम करायें । उन्होंने कार्यक्रम में समय-समय की जाने वाली गतिविधियों के संबंध में निर्देश दिये हैं कि मेरी कहानी मेरी जुबानी कार्यकम आयोजित करें, घरती कहे पुकार परफॉर्मेंस गतिविधिवार आयोजित करें, सतत कृषि ड्रोन डिमॉन्स्ट्रेशन से किसानों को जानकारी से अवगत करायें, ऑन स्पॉट सेवा के अंतर्गत कैंप्स, स्टॉल्स की फोटो वीडियो अपलोडिंग करायें, संकल्प वाचन की फोटो वीडियो की रिकॉर्डिंग करायें, क्विज प्रतियोगिता में क्यूआर कोड स्कैन करके ग्रामवासियों की क्विज में सहभागिता करायें, प्रतियोगिता में विजेताओं को उत्साहित करने के लिये टी-शर्ट, कैप आदि का वितरण करायें और कार्यकम में उपस्थित जनमानस को पंपलेट, ब्रोशर, बुकलेट आदि वितरित करें। इसी प्रकार कार्यकम समाप्ति के समय की जाने वाली गतिविधियों के अंतर्गत यात्रा के पूर्व योजनाओं का स्टेटस, यात्रा के बाद योजना स्टेटस का प्रपत्र तैयार करें, कार्यक्रम में की गई गतिविधियों को पोर्टल पर अपलोडिंग करें।

भारत पर्व के लिये नोडल अधिकारी नियुक्त

छिन्दवाड़ा। राज्य शासन के संस्कृति विभाग द्वारा आगामी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस की संध्या पर जिला मुख्यालय पर भारत पर्व का आयोजन किया जायेगा । कलेक्टर श्री मनोज पुष्प द्वारा जिला मुख्यालय पर भारत पर्व कार्यक्रम के आयोजन के लिये मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री पार्थ जैसवाल को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है ।

वैश्य विभूति सम्मान से सम्मानित होंगे वरिष्ठ पत्रकार गोविंद चौरसिया

17 को आयोजित किया जावेगा वैश्य महासम्मेलन आजीवन सदस्यों का सम्मेलन

छिन्दवाड़ा। वैश्य महासम्मेलन के आजीवन सदस्यों का वार्षिक सम्मेलन 17 दिसम्बर को वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष श्री उमाशंकर गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में एव श्री विजय झांझरी की अध्यक्षता एव संभागीय अध्यक्ष श्री मनीष अग्रवाल की विशेष उपस्थिति में होटल जेपी इन में आयोजित किया जावेगा। उक्ताशय की जानकारी देते हुए जिला प्रभारी प्रभुनारायण नेमा ने बताया कि आजीवन सदस्यो के वार्षिक जिला सम्मेलन में जिले के सभी आजीवन सदस्य शामिल होंगे। वैश्य महासम्मेलन के आजीवन सदस्यों के वार्षिक सम्मेलन में इस वर्ष सामाजिक कार्यकर्ता एव वरिष्ठ पत्रकार श्री गोविंद चौरसिया को वैश्य विभूति सम्मान से सम्मानित किया जावेगा जिलाध्यक्ष रमेश जाखोटिया ने जानकारी दी इस वर्ष श्रीमति किरण सोनी को वैश्य रत्न से, डॉ. महेश चांडक को वैश्य गौरव सम्मान से, शुभम साहू को वैश्य युवा प्रतिभा सम्मान से, डॉ पवन नेमा को वैश्य संजीवनी सम्मान से तथा दयानंद चौरसिया को वैश्य सेवा सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। कार्यकारी जिलाध्यक्ष जे पी नेमा ने बताया कि इस प्रतिभावान छात्रों को वैश्य प्रतिभा सम्मान से जिसमे कु. मौली अनिल नेमा, कुशल ऋषभ दूगड़, अभय प्रफुल्ल राठी, कु. छबि मनोज जैन कु. हर्षिता विकास अग्रवाल, कु. पीहू यशवंतसिंह कौरव, डॉ. संयुक्ता नरेश कुमार सोनी, कु. जान्हवी संजय नत्थानी, अथर्व दीपक साहू, प्रसन्न दीपक खण्डेलवाल, देवाशीष संदीप साहू, कु. आयुषी शैलेन्द्र जैन, कु. खुशी शैलेष जाखोटिया को सम्मानित किया जावेगा। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नीरज भारद्वाज ने बताया कि प्रातः 10 बजे से छिंदवाड़ा संभाग की बैठक होगी जिसमें जिला और तहसील पदाधिकारी शामिल होंगे

समाज के अन्तिम वर्ग के बारे में सोचती थीं: रमा अग्रवाल

सुश्री रमा अग्रवाल का निधन समाज की अपूर्णिय क्षति

छिंदवाड़ा। पर्यावरण प्रेमी, समाज सेवी, संघ व एकल अभियान से जुड़ी सुश्री रमा अग्रवाल का आज निधन हो गया वे 54 वर्ष की थी। श्रद्धाजंलि अर्पित करते हुये समाज सेवियों ने कहा कि रमा अग्रवाल जी का निधन समाज की अपूर्णिय क्षति है वे 54 वर्ष की थी। पर्यावरण के प्रति उनकी विशेष रूचि थी , नगर में अनेकों पीपल व बड़ के वृक्ष मंदिरों में लगे वृक्ष उनके हाथों के लगाये हुये है। संघ एवं एकल अभियान से जुड़े होने के कारण समाज के अन्तिम व्यक्ति तक मदद करना उनकी आदत में था, एकल अभियान से विशेष रूप से जुड़ी सुश्री अग्रवाल एकल की वनयात्रा का आयोजन कर नगर के लोगों को गांवों में ले जाकर उन्हें एकल विद्यालय को दिखाती थी एवं वृक्षारोपण में पौधों को बांटती थी। उन्होने अम्बामाली गांव में आम, जामुन, जाम, आवले के पौधे प्रत्येक घर में बांटे थे और अब बड़े आकार के हो गये है और ग्राम के प्रत्येकघर में फलों के झाड़ लगे है । एकल अभियान में वे बड़े पदों पर थी ।

सेवा सहयोग संगठन...

ठंड को देखते हुए जरूरत मंद लोगो को कपड़े वितरित किये

छिंदवाड़ा। कपड़ा बैंक के विशेष सेवा कार्यो हेतु सदस्यों की बैठक श्रीमति हेमलता महेश भवरकर की मार्गदर्शन में सचिव कमलेश धेनुसेवक के निवास स्थान पर संपन्न हुई ! जिसमें आगामी सेवाकार्य की रूपरेखा तय्यार की गई ,संस्था को मजबूत और संगठित बनाने ,संस्था के उद्देश्य और अनुशासन पर चर्चा की गई वार्ड 1 में संस्था के सदस्यों द्वारा ठंड को देखते हुए जरूरत मंद लोगो को कपड़े वितरित किये गए इस कार्य क्रम मे राष्ट्रीय सचिव दीपक पवार, पुरुष विंग अध्यक्ष कमलेश कोलारे, विशेष सहयोगी मनीष मलानी, कार्यालय प्रभारी हरीश माहेश्वरी, दुर्गेश राजपूत, संरक्षक श्रीमति शिव कुमारी शर्मा ,ममता सोनी साधना ओकटे, महिला विंग अध्यक्ष स्वाति श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष दीपा राय, सचिव कमलेश धेनु सेवक ,विशेष सहयोगी मिथलेश मलानी सुषमा पाण्डेय, सह-सचिव राजुल जैन, सह-सचिव शक्ति यादव निर्मला ठाकुर, शिव्भति सांवरे, विशेष शुभ चिंतक आशिया वर्मा ,नीतू कहार ,सीता यादव, सिंधु राय, नूपुर चंदेल एवं पारुल धेनुसेवक उस्थित रहे। एवं आगामी सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रभारी मनीष मलानी को बनाया गया।

पांढुर्णा में विकासखंड स्तरीय बैंकर्स बैठक आज

छिन्दवाड़ा। अग्रणी जिला प्रबंधक श्री हुकुम चंद्रा ने बताया कि सेवा क्षेत्र दृष्टिकोण के अंतर्गत जनपद पंचायत पांढुर्णा में 15 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से विकासखंड स्तरीय बैंकर्स समिति की तिमाही बैठक का आयोजन किया गया है। इस बैठक में सितंबर तिमाही 2023 की प्रगति की समीक्षा की जायेगी। सभी बैंकों के विकासखंड समन्वयकों और शाखा प्रबंधकों के साथ ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को इस बैठक में उपस्थित रहने और बैंक के स्थानीय बी.सी./कियोस्क ऑपरेटर को लाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं।

मप्र में बेरोजगारी बड़ी समस्या: कमलनाथ

मैं रिटायर नहीं हो रहा हूँ आखिरी साँस तक आपके साथ हूँ

आभार सम्मेलन में मतदाताओं व कार्यकर्ताओं का जताया आभार

चौरई। लगातार दूसरी बार चौरई विधानसभा सीट जीतने के पश्चात चौरई विधानसभा के चाँद में कांग्रेस द्वारा आयोजित विधानसभा स्तरीय आभार सम्मेलन में पहुँचे पूर्व मुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने क्षेत्र के मतदाताओं व कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि मैं रिटायर नहीं हो रहा हूँ आखिरी साँस तक आपके साथ हूँ। 43 सालों के अपने संबंध का जिक्र करते हुये कमलनाथ ने कहा कि छिंदवाड़ा जिले के लिये मैंने अपनी जवानी समर्पित करते हुये परिवार व स्वास्थ्य का ध्यान रखे बगैर छिंदवाड़ा के लिये लगातार कार्य किया ताकि ऐसा छिंदवाड़ा बने जिसे की दूसरे जिले के लोग देखने आये। सम्पूर्ण देश सहित मध्यप्रदेश में बेरोजगारी एक बड़ी समस्या है प्रदेश में करीब 1 करोड़ युवा आज बेरोजगारी का शिकार है। आज भ्रष्टाचार मध्यप्रदेश की पहचान बनकर रह गया है। मैंने 6 हजार किलोमीटर की सड़कें बनवाई जिससे आवागमन की सुविधा के साथ स्थानीय लोगों को रोजगार मिले। कांग्रेस के शासन में छिंदवाड़ा में विकसित ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट केंद्रों के माध्यम से आज छिंदवाड़ा का युवा देशभर में रोजगार पा रहा है। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में कृषि आधारित उद्योगों के विकास करने की बात का भी जिक्र किया।

इस मौके पर सांसद नकुलनाथ ने चौरई विधानसभा सीट जीतने पर क्षेत्र के मतदाताओं व कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुये उन्हें बधाई दी एवं कहा कि विपरीत परिस्थितियों में आपने कांग्रेस का साथ दिया है। सांसद नकुलनाथ ने जीत का श्रेय कार्यकर्ताओं को दिया साथ ही आने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारियों के लिये जुटने की बात उपस्थित कार्यकर्ताओं से कही। कार्यकर्ताओं को सचेत करते हुये सांसद नकुलनाथ ने कहा कि छिंदवाड़ा सीट को लेकर भाजपा अपना पूरा ध्यान बनाये हुये है इसलिये सभी कांग्रेस कार्यकर्ता अपने अपने क्षेत्रों में मजबूती से कार्य करें।

इस अवसर पर विधायक चौधरी सुजीतसिंह ने अपने संबोधन में विधानसभा चुनाव में मिली जीत के लिये मतदाताओं व कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुये लगातार दूसरी बार उम्मीदवार बनाये जाने हेतू पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कमलनाथ जी व सांसद नकुलनाथ जी के नेतृत्व में मैं चौरई क्षेत्र के समग्र विकास हेतू तत्पर रहूँगा। इस मौके पर चौरई, चाँद, बिछुआ ब्लॉक कांग्रेस के सभी प्रमुख नेता, सभी अनुसांगिक संगठनो के कार्यकर्ता व बड़ी संख्या में आमनागरिक उपस्थित थे।

आंगनवाड़ी केन्द्र निर्धारित समय पर खुलें: कलेक्टर

महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक

छिन्दवाड़। कलेक्टर मनोज पुष्प ने निर्देश दिये कि एकीकृत बाल विकास परियोजना के सभी परियोजना अधिकारी और पर्यवेक्षक नियमित रूप से आंगनवाडी केन्द्रों का निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि सभी आंगनवाडी केन्द्र निर्धारित समय पर खुलें जिससे बच्चों और महिलाओं को आंगनवाड़ी केन्द्रों से निर्धारित सेवायें मिल सकें । कलेक्टर श्री पुष्प ने ये निर्देश आज मेडीकल कॉलेज के सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक में दिये। बैठक में सहायक कलेक्टर सुश्री वैशाली जैन, संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती ज्योति ठाकुर, सहायक संचालक डॉ.मोनिका बिसेन व हेमंत छेकर, एकीकृत बाल विकास परियोजना के सभी परियोजना अधिकारी व पर्यवेक्षक और अन्य अधिकारी उपस्थित थे । कलेक्टर श्री पुष्प ने यह कहा कि जिले के आंगनवाड़ी केन्द्रों के खुले रहने के दौरान निरीक्षण अभियान चलाया जायेगा। एसडीएम और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत के साथ ही जिला स्तरीय अधिकारी भी आंगनवाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करेंगे । रोस्टर बनाकर अधिकारी वीडियो कॉलिंग द्वारा यह देखेंगे कि आंगनवाड़ी केन्द्र खुली है या नहीं और बच्चे हैं या नहीं । उन्होंने निर्देश दिये कि एकीकृत बाल विकास परियोजना के परियोजना अधिकारी और पर्यवेक्षक आंगनवाड़ी केन्द्रों के भ्रमण के अलावा प्रतिदिन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से वीडियो कॉलिंग द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र खोलने की वास्तविक स्थिति और बच्चों की उपस्थिति की जानकारी प्राप्त कर जिला कार्यालय में प्रतिवेदन देंगे। उन्होंने कहा कि इस दौरान बच्चों का वजन लेने का अभियान भी चलाया जायेगा जिसमें मेम सूची के बच्चों का पुन- वजन किया जायेगा और वजन कम होने की स्थिति में उन्हें सेम सूची में शामिल कर उनका उचित पोषण किया जायेगा जिससे बच्चे कुपोषित न हो सकें । आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों और गर्भवती व धात्री माताओं को मिलने वाली सुविधाओं, टीकाकरण, पोषण आहार आदि की जानकारी भी प्राप्त की जायेगी और यह प्रयास किया जायेगा कि आंगनवाड़ी केन्द्रों से बच्चों और गर्भवती व धात्री माताओं को बेहतर सेवायें मिल सकें। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा रजिस्टर में दर्ज की गई जानकारी का अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जायेगा और क्रॉस चेकिंग द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्रों से वास्तविक जानकारी प्राप्त की जायेगी। उन्होंने कहा कि 15 दिनों के बाद पुनः समीक्षा बैठक लेकर आज दिये गये निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में मैदानी स्तर पर की गई कार्यवाही की समीक्षा की जायेगी और आंगनवाड़ी केन्द्रों से मिलने वाली सेवाओं को बेहतर ढंग से क्रियान्वित किया जायेगा। उन्होंने निर्देश दिये कि लाडली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत ई-केवायसी और डीबीटी का कार्य मिशन मोड में लेकर करें जिससे हितग्राही लाभान्वित हो सकें । बैठक के प्रारंभ में सहायक कलेक्टर सुश्री जैन ने लाडली लक्ष्मी योजना, मेम-सेम, समेकित बाल संरक्षण योजना, लाडली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत ई-केवायसी और डीबीटी, अपूर्ण व अप्रारंभ आंगनवाड़ी केन्द्र भवन, सीएम हेल्पलाईन और अन्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की।

देश की एकता और अखंडता के प्रतीक, भारत रत्न से सम्मानित लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल एवं पूर्व मंत्री व विधायक गोविंद सिंह राजपूत ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

फिलहाल कमलनाथ ही रहेंगे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष!

भोपाल। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को शिकस्त मिलने के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ की भूमिका को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। कमलनाथ की मध्यप्रदेश में क्या भूमिका होगी? विधानसभा में हारी हुई कांग्रेस में क्या वे अब भी जान फूंकने के लिए कोई रणनीति बनाएंगे या 77 साल की उम्र में दिल्ली को ही ठिकाना बनाएंगे?

कांग्रेस कहते हैं कि फिलहाल कमलनाथ और दिग्विजय सिंह का वर्चस्व राज्य में बना रहेगा। इस कॉम्बिनेशन का प्रदेश कांग्रेस में कोई विकल्प नहीं है। वहीं, वरिष्ठ पत्रकार देव श्रीमाली कहते हैं कि कमलनाथ लोकसभा तक वास्तविक चीफ बने रहेंगे। छिंदवाड़ा से लोकसभा चुनाव खुद लड़ सकते हैं। वे जानते हैं कि छिंदवाड़ा जीतने के लिए उन्हें ही मैदान में उतरना होगा। खुद सांसद बनकर वे बेटे नकुल को विधानसभा उप चुनाव में जीत दिलाकर मप्र की राजनीति की कमान सौंप सकते हैं।

कमलनाथ खुद नेता प्रतिपक्ष बनने की होड़ में शामिल नहीं है। वे जानते हैं कि इसमें बहुत समय खर्च करना पड़ेगा। 2020 में तख्ता पलट के बाद वे नेता प्रतिपक्ष रहे थे, लेकिन विधानसभा में ज्यादा वक्त नहीं दे पाए। इसके बाद कांग्रेस में एक व्यक्ति एक पद के फॉर्मूले की वजह से उन्हें नेता प्रतिपक्ष का पद छोड़ना पड़ा और डॉ गोविंद सिंह को नेता प्रतिपक्ष बनाया गया। सूत्रों का कहना है कि उनकी कोशिश यही होगी कि लोकसभा चुनाव जीतकर संसद पहुंचे। फिर दिल्ली की राजनीति में एक्टिव हों। लोकसभा के लिए वे अभी से छिंदवाड़ा में एक्टिव हो गए हैं। बुधवार को कमलनाथ ने कहा था, मैं रिटायर नहीं होने वाला। आखिरी सांस तक आपके साथ रहूंगा। आने वाले समय में हमारी असली अग्निपरीक्षा है। हमें इसके लिए तैयार रहना होगा।

जीवाजी विश्वविद्यालय के छात्रों ने मौन न्याय यात्रा निकाली

ग्वालियर में कुलपति की जान बचाने के प्रयास के लिए अभाविप कार्यकर्ताओं पर अपराधिक मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने के विरोध में आज जीवाजी विश्वविद्यालय के छात्रों ने मोन न्याय यात्रा निकाल कर अभाविप कार्यकर्ताओं के लिए न्याय की मांग की।

कांग्रेस नेता ने पानी की टंकी पर चढ़कर दी कूदने की धमकी

दतिया। इंदरगढ़ में उस समय हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला जब एक कांग्रेसी नेता महेश जाटव पानी की टंकी पर चढ़ गए और वहां से कूदकर जान देने की धमकी देने लगे। इस दौरान कांग्रेस नेता ने पानी की टंकी पर अपनी मांगों का एक बैनर भी टांग रखा था। जिसमें नगर की प्रमुख समस्याएं लिखी थी। इससे पहले करीब एक साल पूर्व भी महेश जाटव अपने परिवार की समस्याओं को लेकर पानी की टंकी पर चढ़ गए थे। उस दौरान पुलिस प्रशासन एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों ने उन्हें समझाइश देकर नीचे उतरा था। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह उस समय लोगों का जमावड़ा लग गया, जब उन्होंने पानी की टंकी पर कांग्रेस नेता महेश जाटव को चढ़े हुए देखा। कांग्रेस नेता टंकी के ऊपर से शोर मचा रहे थे। इस बात की खबर मौजूद लोगों ने इंदरगढ़ पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस और तहसीलदार मौके पर पहुंचे। जहां उन्होंने कांग्रेस नेता को टंकी से नीचे उतरने की समझाईश दी।

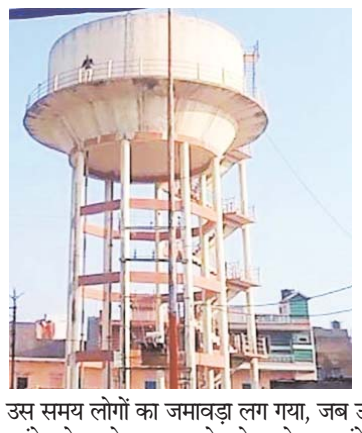

गोटेगांव में युवती की गोली मारकर हत्या

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर के गोटेगांव में एक युवती की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। अब तक की पूछताछ में एकतरफा प्रेम में हत्या करने का मामला बताया है। घटना गुरुवार देर रात सिंधी कॉलोनी में शीतल धर्मशाला के पास की है। पुलिस के मुताबिक काजल साहू (22) जबलपुर से काम कर गोटेगांव अपने घर लौट रही थी। रेलवे स्टेशन से निकलकर कुछ ही दूर पैदल चली थी कि धर्मेंद्र उर्फ डीके (23) नाम के युवक ने उसके सिर में गोली मार दी और फरार हो गया। लोगों ने काजल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। शुक्रवार को युवती के शव का पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। वहीं, युवती के परिजन न्याय की मांग करते हुए चक्काजाम कर दिया। उन्होंने एसडीएम को ज्ञापन भी दिया। युवती के भाई का कहना है कि आरोपी ने हमारी बहन की जान ली है, उसे फांसी की सजा दी जानी चाहिए। युवती की मां का कहना है कि आरोपी उनकी बेटी को दो साल से परेशान कर रहा था।

कांग्रेस नेताओं ने आज सरदार पटेल को उनकी पुण्य तिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस मौके पर शहर अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, आनंद तारण आदि मौजूद रहे।

सरदार वल्लभ भाई पटेल को उनकी 73 वी पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में सहयाद्री परिसर के पीछे सरदार वल्लभ भाई पटेल स्मारक पर माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में सरदार वल्लभभाई पटेल स्मारक भवन के अध्यक्ष डॉ रमेश माधव, एमडी पाटिल, बाबूलाल पटेल ,संदीप पाटीदार राजा भोज निवासी, संदीप पाटीदार संत नगर, प्रकाश नगीना सुंदर लाल पाटीदार आकाश माधव, पंकज माधव इट्यादि सामाजिक बंधु उपस्थित हुए और उन्होंने लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन पर प्रकाश डाला।

शिवराज सिंह की आंखों से निकले आंसू, विदिशा में लिपटकर रोईं लाड़ली बहनें

भोपाल। लाड़ली बहनों ने मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान को एक बार फिर भावुक कर दिया। शिवराज गुरुवार शाम को विदिशा के बाढ़ वाले गणेश मंदिर दर्शन करने पहुंचे थे। इसकी जानकारी लगते ही वहां भीड़ उमड़ पड़ी। भारी संख्या में महिलाएं भी वहां पहुंच गईं। इधर, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि शिवराज को नई जिम्मेदारी जल्द देंगे।

विदिशा में लाड़ली बहनों ने शिवराज सिंह के समर्थन में नारेबाजी की। उन्होंने नारे लगाए- शिवराज तुम राज करो, हम तुम्हारे साथ हैं.. बहनों का भाई कैसा हो, शिवराज भैया जैसा हो.. इसके बाद बहनें शिवराज सिंह से लिपटकर रोने लगीं। शिवराज सिंह चौहान सिर पर हाथ फेरकर उन्हें चुप कराते रहे। इधर, भीड़ से शिवराज के लिए आई लव यू मामा कहा। बहनों का लिपटकर रोना और भांजे-भांजियों का प्यार देखकर शिवराज सिंह भावुक हो गए। उनकी आंखों से आंसू बहने लगे।

मुख्यमंत्री नहीं हूं, फिर भी मैं आपके साथ खड़ा रहूंगा- बाढ़ वाले गणेश मंदिर पर आए लोगों को संबोधित करते हुए शिवराज सिंह ने कहा कि प्रदेश और केंद्र में भाजपा की ही सरकार है। विकास में कोई कमी नहीं रहेगी। मेरे जीवन का हर एक क्षण आपकी सेवा के लिए है।

मैंने कहा था कि लाड़ली बहना के बाद लखपति बहना का सफर तय करना है। उसके लिए मैं लगातार काम करता रहूंगा। मुख्यमंत्री नहीं हूं, फिर भी मैं आपके साथ खड़ा रहूंगा। आपके पीछे खड़ा रहूंगा। तुम्हारा भाई तुम्हारे लिए सब करने में सक्षम है। सारे काम करने में मैं कोई कसर नहीं छोड़ूंगा। अब मैं मुक्त हो गया हूं, ज्यादा समय मिलेगा। उन्होंने कहा- मेरा दायित्व मैं तय नहीं करूंगा। पार्टी जो दायित्व सौंपेंगी, उस काम को करूंगा।

नड्डा बोले- शिवराज को नई जिम्मेदारी जल्द देंगे

इधर, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि शिवराज को जल्द नई जिम्मेदारी देंगे। तीन राज्यों में शिवराज और वसुंधरा राजे जैसे 15-16 साल पुराने वरिष्ठ व जनाधार वाले नेता हैं, उन्हें घर कैसे बैठाएंगे। साधारण कार्यकर्ता से इस मुकाम तक ये लोग पहुंचे हैं, इनके बारे में चर्चा करके अच्छा काम दिया जाएगा।

नड्डा ने एक इंटरव्यू में मप्र में मुख्यमंत्री के चयन के फॉर्मूले पर कहा- मुख्यमंत्री ही नहीं, मंत्री, सांसद, विधायक के चयन में भाजपा गहन रिसर्च करती है। बारीकी से हर पहलू, गतिविधि, इतिहास व जवाबदेही को देखा जाता है। सबका बहुत बड़ा डाटा बैंक भाजपा के पास है। उसी के आधार पर फैसले लेते हैं। मुख्यमंत्री के मामले में कंपोजीशन भी देखा गया। मंत्रियों को बनाना है तो देखना होगा कि किसका परफॉर्मेंस कैसा है। रिपीट कितने होंगे।'

पूर्व महापौर आलोक शर्मा के नेतृत्व में आज भोपाल में सभी दुकानें रात 11 बजे एक साथ बंद करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया।

पिछले दो महीने में 60 से अधिक ट्रेनों के रूट-डायवर्ट

भोपाल। इन दिनों रेलवे लगातार ट्रैक मेंटेनेंस के कार्य कर रही है, जिसके चलते बड़ी संख्या में ट्रेनों को कैंसिल किया गया है तो दूसरी तरफ अनेक ट्रेनों के रूट भी डायवर्ट किए जा रहे हैं, जिसके चलते यह ट्रेनों कई स्टेशनों पर ना जाते हुए दूसरे स्टेशनों से गुजर रहीं हैं, इससे हजारों यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ता है, कई बार यात्रियों को यह समझ नहीं आता है कि टिकट को कैंसिल करें या फिर ट्रेन को दूसरे या उसके अगले स्टेशन से पकड़े, जिससे की वह अपनी यात्रा कर सकें, तो आइए जाने ट्रेन के रूट डायवर्ट होने के बाद के पूरे नियम, कि किस तरह से आप उस ट्रेन को पकड़ सकते हैं।

भोपाल रेल मंडल की करीब 60 से अधिक ट्रेने पिछले दो महीने नवंबर व दिसंबर में डायवर्ट हुई हैं, जिसको लेकर कई ट्रेने भोपाल, आरकेएमपी आने की बजाय सीधे इटारसी से होते हुए जबलपुर के रास्ते झांसी होते हुए दिल्ली या पंजाब आदि जाती हैं।

अगले 10 दिन यह ट्रेने चलेंगी डायवर्ट रूट से

15 से 30 दिसम्बर तक डॉ अम्बेडकर नगर से चलने वाली 12919 डॉ अम्बेडकर नगर-श्रीमाता वैष्णोदेवी कटरा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया लक्ष्मीबाईनगर-फतेहाबाद चंद्रावतीगंज-उज्जैन होकर चलेगी। 14 से 29 दिसम्बर तक श्रीमाता वैष्णोदेवी कटरा से चलने वाली 12920 श्रीमाता वैष्णोदेवी कटरा- डॉ अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया उज्जैन फतेहाबाद चंद्रावतीगंज- लक्ष्मीबाईनगर होकर चलेगी। 14 से 29 दिसम्बर तक छिंदवाड़ा से चलने वाली 19344 छिंदवाड़ा- इंदौर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया उज्जैन ङ्कफतेहाबाद चंद्रावतीगंज- लक्ष्मीबाईनगर होकर चलेगी। 15 से 30 दिसम्बर तक इंदौर से चलने वाली 19343 इंदौर-सिवनी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया लक्ष्मीबाईनगर-फतेहाबाद चंद्रावतीगंज-उज्जैन होकर चलेगी। 19 एवं 26 दिसम्बर को मण्डपम से चलने वाली 20974 मण्डपम-फिरोजपुर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया उज्जैन फतेहाबाद चंद्रावतीगंज-रतलाम होकर चलेगी। 18 से 27 दिसम्बर तक इंदौर से चलने वाली 19313 इंदौर-पटना एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया लक्ष्मीबाईनगर-फतेहाबाद चंद्रावतीगंज-उज्जैन चलेगी। 15 से 29 दिसम्बर तक पटना से चलने वाली 19314 पटना-इंदौर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया उज्जैन -फतेहाबाद चंद्रावतीगंज- लक्ष्मीबाईनगर होकर चलेगी। 16 से 30 दिसम्बर तक इंदौर से चलने वाली 19321 इंदौर-पटना एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया लक्ष्मीबाईनगर-फतेहाबाद चंद्रावतीगंज-उज्जैन होकर चलेगी। 18 एवं 25 दिसम्बर, 2023 को पटना से चलने वाली 19322 पटना-इंदौर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया उज्जैन -फतेहाबाद चंद्रावतीगंज- लक्ष्मीबाई नगर होकर चलेगी। 15 से 29 दिसम्बर तक चंडीगढ़ से चलने वाली 19308 चंडीगढ़-इंदौर एक्सप्रेस परिवर्तित मार्च वाया उज्जैन -फतेहाबाद चंद्रावतीगंज- लक्ष्मीबाईनगर होकर चलेगी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि: पवैया बोले- 100 गज जमीन में गड़े मंदिर को खींचकर ऊपर ले आएंगे

ग्वालियर। ग्वालियर श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा सर्वे आदेश देने पर जयभान सिंह पवैया ने बड़ा बयान दिया है। कट्टर हिंदूवादी नेता बजरंग दल के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और महाराष्ट्र के सह प्रभारी जयभान सिंह पवैया ने कहा कि हाईकोर्ट ने श्री कृष्ण जन्मभूमि विवादित परिसर सर्वे की जो अनुमति आज दी गई है, उसका हम स्वागत करते है। भारत के करोड़ों सनातियों के लिए यह खुशी का दिन है यह हमारा हक है, यदि हमारे ब्रह्म हमारे परमात्मा श्री कृष्ण जन्मभूमि को किसी काल में किसी मुगल शासक औरंगजेब ने अतिक्रमण किया था तो अब हम उसे क्यों झेले। पवैया ने कहा कि वहां लाल पत्थर की इमारत बनाकर ईदगाह नाम का अतिक्रमण खड़ा कर दिया गया था। उसको स्वतंत्रता के काल में हम छाती पर ढ़ोते रहे, यह हमारी कोई मजबूरी नहीं है। इसलिए सर्वे को जो मंजूरी मिली है वो हिंदू आस्थाओं के साथ न्याय की पहली सीढ़ी है जो न्यायपालिका के रास्ते हमें मिली है।

पवैया ने कहा कि मैं भरोसे के साथ कह सकता हूं कि काशी में सर्वे हुआ और काशी से मथुरा में फिर सर्वे की मंजूरी मिली है। कदम दर कदम हम अपने सपनों को पूरा करने की तरफ बढ़ रहे हैं। राम जन्मभूमि के लिए तो हमें लहू बहाना पड़ा था बहुत संघर्ष हुए, लेकिन कृष्ण जन्मभूमि हमें न्यायपालिका के रास्ते से जरूर हमको न्याय मिलेगा और जल्द मिलेगा। सर्वे में वो सत्य पूरे भारत के साथ दुनिया के सामने आ जाएगा। ये युग बदल गया है अब मंदिरों के ध्वंश का काल नहीं है,ये मंदिरों के निर्माण का युग है। जो लोग अदालत के सामने अर्जियां लगा रहे हैं कि सर्वे ना हो ,वे जान ले की यदि जमीन के 100 गज नीचे भी हमारे भगवान को मन्दिर को छुपा कर रखा गया है तो हम जमीन के नींचे से खींचकर बाहर निकाल लेंगे। तथ्यों के आधार पर यह साबित होने भी वाला है, हमारे मंदिर को जमीन के नीचे दबा कर रखा गया और उस पर ऊपर से अतिक्रमण खड़ा कर दिया गया। न्यायपालिका के रास्ते हिंदू समाज अपनी लड़ाई लड़ रहा है, उंस अतिक्रमण को उखाड़ कर फेंका जाए और वह होगा भी।

बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक रोकने की कवायद, एप से होगी निगरानी

भोपाल। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिम) की 10वीं व 12वीं की परीक्षा के प्रश्नपत्र पुलिस थानों में ही रखे जाएंगे। प्रश्नपत्र थाने से परीक्षा केंद्रों तक लाने में अहम भूमिका कलेक्टर प्रतिनिधि की भी रहती है। इस बार कलेक्टर प्रतिनिधि की मोबाइल एप से हाजिरी लगेगी। इसके साथ ही मोबाइल के पूर्णत- प्रतिबंध का सख्ती से पालन कराया जाएगा। यह निर्णय बोर्ड परीक्षा में प्रश्नपत्रों की गोपनीयता बनाए रखने के लिए माशिमं की ओर से लिया गया है। बता दें कि वर्ष 2022-23 में आयोजित 10वीं व 12वीं की परीक्षा में 16 प्रश्नपत्र इंटरनेट मीडिया पर खूब बहुप्रसारित हुए थे। इसे देखते हुए मंडल ने इस बार बदलाव किया है। मंडल की पूर्व में आयोजित कार्यपालिका समिति की बैठक में पुलिस थाने से परीक्षा केंद्र तक प्रश्नपत्र भेजने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। प्रश्न-पत्रों का वितरण समन्वयक संस्था से थानों व परीक्षा केंद्रों तक किए जाने की व्यवस्था पहले की तरह ही रहेगी।

मप्र में अब रातें सर्द, दिन में राहत उमरिया में टेम्प्रेचर 6.5 डिग्री

भोपाल। मध्यप्रदेश में अब रातें भी सर्द हो गई हैं। गुरुवार-शुक्रवार की रात तेज ठंड रही। खासकर राजगढ़, पचमढ़ी और उमरिया में टेम्प्रेचर 8 डिग्री के नीचे पहुंच गया है। उमरिया में शुक्रवार की रात को तापमान 6.5, पचमढ़ी में 7.2 डिग्री रहा। दिन के टेम्प्रेचर में जरूर मामूली बढ़ोतरी हुई है, लेकिन उत्तर से सर्द हवाएं आने से ठिठुरन बनी हुई है।

गुरुवार को कई शहरों में तापमान 28 डिग्री के नीचे ही रहा। पचमढ़ी-मलाजखंड में तो तापमान 22 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम वैज्ञानिक अशफाक हुसैन ने बताया कि उत्तर भारत में एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव है, लेकिन मध्यप्रदेश में इसका असर कम है। वहीं, बादल छंट गए हैं। उत्तर से सर्द हवाएं आ रही हैं। इस कारण दिन-रात के टेम्प्रेचर में गिरावट हुई है। अगले दो से तीन दिन तक ऐसा ही मौसम रहेगा। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के गुजरने के बाद तापमान में और भी गिरावट होगी।

11 शहरों में तापमान 26 डिग्री के नीचे

गुरुवार को 11 शहरों में दिन का तापमान 26 डिग्री के नीचे रहा। बैतूल में 25 डिग्री, धार में 25.5 डिग्री, पचमढ़ी में 22 डिग्री, रायसेन में 24.4 डिग्री, छिंदवाड़ा में 25.6 डिग्री, खजुराहो में 25.6 डिग्री, नरसिंहपुर में 23 डिग्री, रीवा में 24.4 डिग्री, सीधी में 25.4 डिग्री और मलाजखंड में पारा 22 डिग्री रहा।

इसी तरह दमोह में 27.8 डिग्री, मंडला में 27.2 डिग्री, नौगांव में 27.8 डिग्री, सतना में 27 डिग्री, नर्मदापुरम में 28.4 डिग्री, खंडवा में 28.1 डिग्री, खरगोन में 27.4 डिग्री, रतलाम में 27.2 डिग्री, शिवपुरी में 26.2 डिग्री रहा।

बड़े शहरों में इतना रहा दिन का तापमान

भोपाल में 27.8 डिग्री, इंदौर में 26.6 डिग्री, ग्वालियर में 27.4 डिग्री, उज्जैन में 27 डिग्री और जबलपुर में पारा 25.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

गुरुवार-शुक्रवार की रात में उमरिया में तापमान 6.5 डिग्री रहा। राजगढ़ में 7.0 डिग्री, रायसेन में 9.4 डिग्री, पचमढ़ी में 7.2 डिग्री, ग्वालियर में 8.6 डिग्री, गुना में 9 डिग्री, दतिया में 9.0 डिग्री, भोपाल में 10.8 डिग्री, छिंदवाड़ा में 9.6 डिग्री, दमोह में 9.5 डिग्री, जबलपुर में 7.8 डिग्री, मंडला में 8.6 डिग्री, नौगांव 8.0 डिग्री, रीवा 8.5 डिग्री, सतना 9.8 डिग्री, सीधी 9.6 डिग्री और मलाजखंड में रात का टेम्प्रेचर 8.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।